Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 141
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शनिवार,20 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 केशव प्रसाद मौर्य का राहुल गांधी पर करारा वार, कहा, 4 मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी? 5 50 साल की हो चुकीं अमीषा ने बताया अब तक

सीएम योगी ने की पीएम मोदी की तारीफ

हर क्षेत्र को चिह्नित करके काम करना जरूरी :सीएम

मथुरा (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली केंद्र की पिछली सरकारें भारत को विश्व शक्ति बनाने में नाकाम रहीं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संभव कर दिखाया। योगी ने कहा, पिछले 11 साल में हमने भारत को बदलते देखा है। पिछली सरकारों के लोग, जो खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते थे, अपनी सरकारों में भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए असंभव शब्द जोड़ देते थे। इस असंभव को पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभव कर दिखाया है, जिन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के मंत्र को आत्मसात किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा, पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में असंभव शब्द जुड़ा था। उत्तर प्रदेश की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन डबल इंजन सरकार ने सूबे को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा, कश्मीर को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने देश के लिए नासूर बना दिया था। कभी लोग कहते थे कि धारा 370 हटाना असंभव है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे संभव कर दिखाया। इसी तरह राममंदिर को लेकर जो संकल्प था, वह भी मोदी सरकार ने पूरा किया। उन्होंने कहा, याद कीजिए लोग कहते थे कि क्या कश्मीर से अनुच्छेद 370 कभी हट पाएगा लेकिन आज उसे भारत का अभिन्न अंग बनाने का महान काम किया जा चुका है। योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल जी का मंत्र था कि भारत की अर्थनीति का आधार स्वदेशी होना चाहिए और यही कारण है कि आज एक जिला एक उत्पाद योजना और वोकल फॉर लोकल अभियान से लाखों कारीगरों व शिल्पकारों को रोजगार मिला है। उन्होंने लोगों से आने वाले त्योहारों में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा, विदेशी सामान के बजाए हमें अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास-उन्होंने कहा, स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन हैं तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमे सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। यही पंडित दीन दयाल जी का मंत्र है। योगी ने कहा कि आज भारत का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनने की क्षमता रखता है।

ग्राउंड जीरो पर सीएम धामी... दूसरे दिन भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

देहरादून, (जीएनएस)। आपदा में सीएम धामी लगातार ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं। इस बीच मंत्री गणेश जोशी और डीएम सविन बंसल पर एक साथ दिखे। कुछ दिन पहले ही मंत्री और डीएम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को दून के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। ग्राउंड जीरो पर उतरकर उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त मुख्य सड़कों पर शीघ्र यातायात बहाल करने और वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने मसूरी रोड, किमाड़ी व टपकेश्वर मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन सामान्य करने के लिए सभी संबंधित विभागों को युद्धस्तर पर कार्य के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, प्रभावित परिवारों को आपदा मानकों के अनुसार त्वरित आर्थिक सहायता के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। जिन क्षेत्रों में आवागमन अवरुद्ध हुआ है, वहां प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक मार्ग एवं राहत शिविर स्थापित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपदा की इस घड़ी में पूरी संवेदनशीलता के साथ आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है। प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सीएम ने टपकेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में अतिवृष्टि से प्रभावित स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर के पुजारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत भी की।

इतना बड़ा झूठ न बोलें, पद की गरिमा का रखें ख्याल: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मेट्रो संचालन को लेकर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बगैर पलटवार करते हुए कहा कि जिसका प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और जनता ने साक्षात अनुभव किया हो, उसको लेकर इतना बड़ा झूठ नही बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफेद झूठ बोलने से व्यक्ति की गरिमा भी गिरती है और उन सभी पदों की प्रतिष्ठा और मान-मयार्दा भी जिन पर वो बैठता है ।अखिलेश यादव ने बयान को शर्मनाक बताते हुए कहा आज तो झूठ भी अपने आप को लज्जित महसूस कर रहा होगा। इतना बड़ा झूठ भी नहीं बोलना चाहिए कि इंसान औरों की ही नहीं अपनी निगाह में भी गिर जाए। सफेद झूठ बोलने से व्यक्ति की गरिमा भी गिरती है और उन सभी पदों की प्रतिष्ठा और मान-मयार्दा

भी जिन पर वो बैठता है। सत्ता का ऐसा भी क्या लालच कि उस बात को झूठ बताना जिसके प्रमाण हर तरह से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और जनता ने जिसका खुद साक्षात अनुभव किया हो। सपा प्रमुख ने कहा, इतना बड़ा झूठ बोलना तभी संभव होता है जब व्यक्ति या तो चेतना खो दे या सच्चाई या अपने आदर्श और सत्य के संस्कार। ऐसे महाझूठ वक्ता दरअसल अपने लोगों को महामूर्ख समझते हैं। वो मानते हैं कि उनके अनुयायी उनकी हर बात को सच ही मानेंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। भाजपा और उनके संगी-साथियों और वाहिनीवादियों की सोच ही यही है कि झूठ बोलकर अपने लोगों को ठगो। आज तो भाजपाई गुट के वो सब लोग शर्म से जमीन में गड़ गए होंगे जो ऐसे लोगों के लिए हर तर्क-कुतर्क से बाज नहीं आते थे और इनकी ईमानदारी की गारंटी देते थे। अखिलेश यादव ने कहा अपनी नहीं तो पद की गरिमा का ही मान रखिए। वैसे उनसे सच की उम्मीद करना बेकार है जो महाकुंभ जैसे पावन और धार्मिक अवसर पर सनातनी हिंदुओं की मृत्यु पर झूठ बोलने का घोर पाप कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा रिस्पॉन्स बल वाहिनी मुख्यालय भवन का किया उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना जिला के बिहटा में राज्य आपदा रिस्पॉन्स बल (एस०डी० आर०एफ०) वाहिनी मुख्यालय के नये भवन का शिलापट्ट अनावरण एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन एवं पूरे परिसर का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा रिस्पॉन्स बल द्वारा बाढ़ एवं आपदा के समय किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही वहां लगाई गई प्रदर्शनी में आपदा के समय उपयोग किए जानेवाले उपकरणों / साधनों की कार्यपद्धतियों के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित जवानों की हौसलाअफजाई की और कहा कि आपलोग इसी तरह अच्छे से काम करते रहिए। ज्ञातव्य है कि राज्य में बाढ़, आगजनी, भूकंप, चक्रवात, नदी में डूबने की घटना आदि आपदा के

दौरान खोज, बचाव एवं राहत कार्यों के लिए राज्य आपदा रिस्पांस बल (एस०डी०आर०एफ०) का गठन एक विशेष प्रशिक्षित बल के रूप में आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया है। इसके बटालियन के मुख्यालय हेतु बिहटा, पटना में राज्य सरकार के द्वारा 25 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। बटालियन के अधिकारियों तथा जवानों के आवासन तथा कार्यालय हेतु भवन निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2013 में अस्थायी पोटा केबिन का निर्माण किया गया। इन अस्थायी संरचना के काफी पुराना हो जाने पर तथा एस०डी०आर०एफ० के कार्यबल में बढ़ोतरी के कारण वहाँ आवासन एवं कार्यालय कार्य के संचालन में काफी कठिनाई हो रही थी इसलिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर एस०डी०आर०एफ० के अधिकारियों एवं जवानों के बेहतर आवासन, प्रशिक्षण एवं कार्यालय हेतु आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 267.24 करोड़ रुपये की योजना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी तथा निर्माण की जिम्मेवारी भवन निर्माण विभाग को दी गयी। इस योजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा 30 अप्रैल, 2023 को किया गया था।

26 पर्यटकों की मौत का बदला लेकर दुश्मन को दिया करारा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनाथ सिंह बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि हमारा बदला कितना मजबूत और निर्णायक हो सकता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, कॉर्डिनेशन और रणनीति के साथ इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, उसने यह साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक आदत बन चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आजादी के बाद से ही भारत को अपने पड़ोसियों के मामले में भाग्यशाली परिस्थितियां नहीं मिली हैं। हमें हमेशा चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लेकिन भारतीयों की यही खासियत है कि हमने इन चुनौतियों को भाग्य मानकर स्वीकार नहीं किया, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से अपनी नियति खुद गढ़ी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को अपनी इस जीत की आदत को हमेशा बनाए रखना होगा। भारतीय सुरक्षा बलों ने 6-

7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। यह ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले का सीधा जवाब था, जिसमें 26 टूरिस्टों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी संबंधों को खत्म कर दिया था। यहां तक कि भारत ने पाकिस्तान को जाने वाले सिंधु नदी के पानी को भी रोक दिया था। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने 6-7 मई की आधी रात को पाकिस्तान पीओके में कई आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को...:राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित ष्वोट चोरीष को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। उन्होंने मतदाता सूची से नाम कथित तौर पर नाम हटाए जाने से संबंधित अपने संवाददाता सम्मेलन का एक संक्षिप्त वीडियो एक्स पर साझा किया जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जिन लोगों के नाम का इस्तेमाल कर वोट हटाए गए उन्हें यह पता ही नहीं था और सुबह चार बजे भी नाम हटाने

के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, ष्सुबह चार बजे उठो, 36 सेकंड में दो वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ। ऐसे भी हुई वोट चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों को बचाता रहा। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया था कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं।

जम्मू में किसानों का दर्द देख भावुक हुए शिवराज! बोले- संकट से उबारने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर किसानों को हुए फसल नुकसान का आकलन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यहाँ पत्रकारों को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि आज मैं जम्मू-कश्मीर की जनता और किसानों का एक विनम्र सेवक बनकर आया हूँ। हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा ने फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है। केंद्र सरकार की एक टीम भी यहाँ भेजी गई थी। लेकिन मुझे किसानों के नुकसान को व्यक्तिगत

रूप से देखने की जरूरत महसूस हुई। मुझे प्रभावित किसानों से बातचीत करनी चाहिए। और फिर, प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से, हम किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। शिवराज ने आगे कहा कि संकट बहुत बड़ा है। जब फसलें नष्ट होती हैं, तो न केवल फसलें नष्ट होती हैं, बल्कि किसान का जीवन भी बर्बाद होता है। उसके बच्चों का भविष्य बर्बाद हो जाता है। हालाँकि, किसानों को दुखी नहीं होना चाहिए। हम इस संकट से उबरेंगे और उन्हें आगे बढ़ाएँगे। मैं इसी संकल्प के साथ आया हूँ। मैं अब नुकसान का निरीक्षण करूँगा। जम्मू और कश्मीर लगातार भारी बारिश के बाद के हालात से जूझ रहा है।

मैसूर दशहरा सरकारी आयोजन, लोगों में फर्क क्यों,कितनी बार कहें मामला खारिज :सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मैसूर चामुंडी मंदिर में दशहरा उत्सव के उद्घाटन में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। कार्यक्रम 22 सितंबर को होगा। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी सुरेश ने दलील दी कि किसी गैर-हिंदू व्यक्ति को पूजा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने उनके इस तर्क पर कहा खारिज। एडवोकेट सुरेश ने दलील दी कि मंदिर के अंदर पूजा

को धर्मनिरपेक्ष कार्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा यह पूरी तरह से राजनीतिक है। कोई कारण नहीं है कि उन्हें धार्मिक उत्सव के लिए मंदिर के अंदर लाया जाए। जस्टिस नाथ ने फिर दोहराया-खारिज। सीनियर एडवोकेट ने बिना फिर आरोप लगाया कि आमंत्रित अतिथि मुश्ताक ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं, इसलिए ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जा सकता। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने16 सितंबर को कहा था कि किसी विशेष धर्म या आस्था को मानने वाले व्यक्ति का किसी दूसरे धर्म के त्योहारों में शामिल होना संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है।62 साल की बानू मुश्ताक कन्नड़ लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और किसान आंदोलनों और कन्नड़ भाषा आंदोलनों से जुड़ी रही हैं। मई 2025 में उन्होंने अपनी कहानी संग्रह एडेया हनाटे के लिए इस किताब का अंग्रेजी अनुवाद दीपा भस्थ ने किया था। राज्य की सिद्धारमैया सरकार ने उनके साहित्यिक और सामाजिक योगदान को देखते हुए इस बार दशहरा का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया है।

केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर की तबीयत बिगड़ी, कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए थे भागलपुर

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार में भागलपुर राजग कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने आए केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई है और चिकित्सकों के परामर्श के बाद उन्हें पटना ले जाया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि जिले के जगदीशपुर में आज आयोजित एनडीए पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए केन्द्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर जिला परिसदन से निकलने वाले थे, तभी अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्हें वायरल फीवर हो गया। बाद में चिकित्सक के द्वारा जांच करने के बाद टाइफाइड की पुष्टि हुई है। सूत्रों ने बताया कि ठाकुर का इलाज जिला परिसदन के एक स्वच्छ कमरे में चल रहा है। जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वरीय चिकित्सकों की टीम उनके इलाज में लगी हुई है। आवश्यक दवाइयों के सेवन के बाद केन्द्रीय राज्य मंत्री की स्थिति धीरे धीरे सामान्य हो रही है। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस से पटना ले जाया जा सकता है।

द्रमुक सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है: उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार शिक्षा, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न तरीकों पर काम कर रही है। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए दिव्यांगजनों को 2,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की शिक्षा सहायता प्रदान करने के अलावा, सरकार ने खेलों में भी उन्हें बहुत महत्व दिया है। उदयनिधि ने यहां एक बयान में कहा, विशेष रूप से, हमने अब तक तमिलनाडु चौंपियंस फाउंडेशन के माध्यम से विदेशों में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लगभग 200 दिव्यांग छात्रों को पांच करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान की है। इसी प्रकार, हमारी सरकार अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले 200 एथलीटों को पुरस्कार राशि के रूप में 25 करोड़ रुपये वितरित कर चुकी है।

पप्पू यादव ने राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर आरोपों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी के अलग-अलग पैटर्न तय किए हैं, जिन्हें राहुल गांधी ने उजागर किया है। पूर्णिया से लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने बातचीत में कहा, राहुल गांधी संविधान की रक्षा और आम आदमी के वोट के अधिकार के लिए आवाज उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने साफतौर पर कहा है कि लोगों के वोट काटे जा रहे हैं। मैं पूछता हूं कि इसके पीछे कौन है और क्यों इतनी बड़ी तादाद में वोट काटे जा रहे हैं? मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी के अलग-अलग पैटर्न तय किए हैं, जिन्हें राहुल गांधी ने उजागर करने का काम किया है। पप्पू यादव ने चुनाव आयोग को भाजपा-आरएसएस का एजेंट बताते हुए कहा, चुनाव आयोग प्रो-भाजपा और आरएसएस है।

12555 गोरखधाम एक्सप्रेस में साफ-सफाई एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 19 सितम्बर,2025 को गोरखपुर रेलवे स्टेशन एवं प्लेटफार्म संख्या-9 पर खड़ी 12555 गोरखपुर-बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान गाड़ी की साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के आरम्भ में महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर प्लेटफार्म संख-9 के निकट यांत्रिक कारखाना की चहारदीवारी के बेहतर रख-रखाव का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। उन्होंने गाड़ी के निरीक्षण के दौरान यात्रियों को दी जाने वाली बेडरोल की जांच की, लिनेन की स्वच्छता को स्तरीय पाया तथा बेडशीट के आयरनिंग में सुधार का निर्देष दिया। महाप्रबन्धक ने टेज्न में ड्यूटी पर कार्यरत रेलकर्मियों को निर्देष दिया कि वे यात्रियों के साथ शालीनतापूर्ण व्यवहार करें, ताकि किसी भी प्रकार का परिवाद न हों और यात्री संतुष्टि का लक्ष्य प्राप्त हो। महाप्रबन्धक ने गाड़ी में प्रकाष की उपलब्धता चेक किया और उसे लक्स लेवल मेजरिंग डिवाइस में 137 लक्स पाया जो कि काफी संतोषजनक है, कोच में प्रकाष का यह स्तर यात्री संतुष्टि का द्योतक है। निरीक्षण के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन, लखनऊ श्रीमती नीतू, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी श्री बलराम तथा स्टेषन डायरेक्टर श्री रतनदीप गुप्ता उपस्थित थे।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 05064/05063 मऊ-कोलकाता-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मऊ से 24 सितम्बर से 12 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक बुधवार को तथा कोलकाता से 25 सितम्बर से 13 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05064 मऊ-कोलकाता साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 24 सितम्बर से 12 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक बुधवार को मऊ से 13.30 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड 14.22 बजे, सलेमपुर से 14.55 बजे, भटनी से 15.12 बजे, भाटपार रानी से 15.27 बजे, मैरवा से 15.45 बजे, सीवान से 16.10 बजे, एकमा से 16.32 बजे, छपरा से 17.20 बजे, दिघवारा से 18.10 बजे, सोनपुर से 18.50 बजे, हाजीपुर से 19.05 बजे, शाहपुर पटोरी से 19.47 बजे, बरौनी से 21.30 बजे, किउल से 22.52 बजे, जमुई से 23.22 बजे, दूसरे दिन झाझा से 00.50 बजे, जसीडीह से 01.28 बजे, मधुपुर से 01.54 बजे, चितरंजन से 02.37 बजे, आसनसोल से 03.45 बजे, दुगार्पुर से 04.17 बजे, वर्द्धमान से 05.38 बजे, बण्डेल से 06.30 बजे तथा नैहाटी से 07.30 बजे छूटकर कोलकाता 08.50 बजे पहुंचेगी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के तहत वॉकथॉन और साइकिल रैली का आयोजन

नई दिल्ली : स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जन-जन को जागरूक करने तथा स्वच्छता का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से आज दिनांक 19.09.2025 को अंबाला मण्डल, दिल्ली मण्डल, जम्मू मण्डल व मुरादाबाद मण्डल में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस वॉकथॉन में मंडल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथॉन का मुख्य उदेश्य सफाई के साथ-साथ लोगों को सेहत के प्रति जागरूक करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना है। इस दौरान आम लोगों से स्वच्छता को अपनाने और पर्यावरण को बेहतर बनाने का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त फिरोजपुर मण्डल में एक साइकिल रैली व मुरादाबाद मण्डल में साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया। इस रैली में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने शामिल होकर स्वच्छता के महत्व का संदेश आमजन तक पहुंचाया। स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के तहत सभी स्टेशनों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज लुधियाना, अमृतसर, जलंधर छावनी, चंडीगढ़ स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना है, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वच्छता के महत्व को समझें और स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित हों जिससे सभी एक नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

इलाज के दौरान पशु तस्कर की मेडिकल कॉलेज में मौत

गोरखपुर पिपराइच क्षेत्र के महुआचाफी में सोमवार की रात पकड़े गए पशु तस्कर की मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही जिले के आला अधिकारी मेडिकल कॉलेज चौकी पहुंचे। शव के पंचनामे की कार्रवाई पूरी की जा रही है। बता दें पिपराइच क्षेत्र के महुआचाफी में सोमवार की रात दो पिकअप गाड़ियों से 10 से 12 पशु तस्कर दीपक गुप्ता की हत्या कर भाग निकले थे, जिसमें से एक पशुतस्कर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। जिसकी पहचान बिहार प्रांत के गोपालगंज जिले थाना गोपालपुर के रामपुर खुर्द निवासी अजहर हुसैन उर्फ अजब हुसैन (उम्र 32 वर्ष) पुत्र ईशा मोहम्मद के रूप में हुई। घायलवस्था में पुलिस ने उसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने घायल को बुधवार की रात मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। घायल पशुतस्कर को मेडिकल कॉलेज में रात 12:05 बजे भर्ती कराया गया। शुक्रवार की सुबह 10:37 पर अजहर हुसैन की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलते ही एसपी नॉर्थ जीतेंद्र श्रीवास्तव, सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह, सीओ चौरीचौरा अनुराग सिंह, प्रभारी निरीक्षक बांसगांव जीतेंद्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा विजय प्रताप सिंह, एसओ पिपराइच पुरुषोत्तम आनंद सिंह मेडिकल कॉलेज पहुंचे। पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी भेज दिया है।

सोनभद्र में दर्दनाक हादसा, स्कूल पर गिरी आकाशीय बिजली; दो छात्रों की मौत, दो छात्राएं झुलसीं

सोनभद्र उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि दो छात्राएं झुलस गई हैं। घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। दोनों घायल छात्राओं को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनभद्र जिले के चोपन थाना क्षेत्र के कोटा गांव में शुक्रवार को दोपहर निजी स्कूल पर बिजली गिरने दो छात्रों की मौत हो गई। घटना में दो छात्राएं भी झुलस गईं। उन्हें चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से एक छात्रा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ये है मामला कोट गांव के नौटोलिया में ब्रह्मदेव पब्लिक स्कूल का संचालित है। विद्यालय में शुक्रवार की दोपहर पढ़ाई चल रही थी। अचानक बारिश शुरू हो गई। तेज गरज-चमक के साथ बिजली गिरने से कक्षा-तीन के छात्र अरविंद (08) और कक्षा-9 के छात्र दीपक (13), छात्रा सोनमति (16), रेखा (15) झुलस गईं। घटना से अफरातफरी मच गई। बिजली गिरने की आवाज से अन्य बच्चे भी सहम गए। आनन-फानन झुलसे विद्यार्थियों को चोपन सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अरविंद और दीपक को मृत घोषित कर दिया। रेखा की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

विधायक ने चौपाल लगाकर समस्याओं का निस्तारण किया

लोनी। गुलाब वाटिका कॉलोनी में जन चौपाल लगाकर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने लोगों की समस्याओं को सुना। विधायक ने दिव्यांगजन को ट्राइसाईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, बुजुर्गों को छड़ी वितरित की। इसके बाद विधायक ने करीब 20 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। विधायक ने बताया कि लोगों की बिजली, राशन कार्ड, जल निकासी व कानून व्यवस्था आदि से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण किया। विधायक ने कहा कि आज लोनी की छवि बदली है। हजारों करोड़ों रुपये के विकास कार्य से लोनी विकास के पथ पर अग्रसित है।

भारतीय रेलवे एवं SHRM के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन

CRIS ने HRMS की प्रगति एवं क्रियान्वयन पर प्रस्तुत किया विस्तृत विवरण

नई दिल्ली : रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS) के सहयोग से उत्तर रेलवे मुख्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में मानव संसाधन प्रबंधन के समकालीन मुद्दों, श्रेष्ठ प्रथाओं तथा उभरते रुझानों पर विशेष रूप से भारतीय रेल पर केंद्रित विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में महानिदेशक/मानव संसाधन, अतिरिक्त सदस्य/स्टाफ, अतिरिक्त सदस्य/एच.आर., प्रधान कार्यकारी निदेशक/औद्योगिक संबंध, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/उ.रे., SHRM के गणमान्य सदस्य तथा दिल्ली में पदस्थ सभी आई.आर.पी.एस. अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं दिल्ली से बाहर पदस्थ अधिकारियों ने इस सेमिनार में वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (CRIS) द्वारा भी एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS) की प्रगति और क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी साझा की गई।

स्वास्थ्य संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते हुये प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 एस .वी .ओ . चन्द्र कुमार

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे पर राजभाषा सप्ताह समारोह-2025 का आयोजन 18 से 23 सितम्बर,2025 तक किया जा रहा है। इसी क्रम के रूप में घोषित किये जाने के उपलक्ष्य में केन्द्रीय सरकार में हिन्दी दिवस बनाये जाने का प्रावधान है। इसी कड़ी में मुख्यालय द्वारा 18 सितम्बर से 23 हैं। इन बीमारियों में मधुमेह रोग व ह्दय रोग सबसे घातक बीमारी बन चुकी है। जीवनशैली में अनियमितता इन रोगों का मुख्य कारण होता

में 19 सितम्बर,2025 को प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0एस.वी.ओ. चन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जीवन शैली जनित रोग एवं उनकी रोकथाम विषय पर स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 एस.वी.ओ. चन्द्र कुमार ने कहा कि 14 सितम्बर,1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को संघ की राजभाषा सितम्बर तक राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आज पूर्वोत्तर रेलवे राजभाषा विभाग द्वारा ह्यजीवन शैली जनित रोग एवं उनकी रोकथामह्य विषय पर स्वास्थ्य संगोष्ठी आयोजित की गई है। वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बदलती जीवनशैली ने लोगों की तरक्की के साथ कुछ नकारात्मक चीजें भी दी हैं। आज आधुनिक और सम्पन्न होने की लालसा में कई प्रकार के मानसिक दबाव और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। लोगों में अनेक बीमारियां बढ़ रही है। आज की यह संगोष्ठी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये लाभकारी सिद्ध होगी। संगोष्ठी में उपस्थित जनों का स्वागत करते हुये उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य वित्त सलाहकार मो0 याकूब शेख ने कहा कि ऐसे आयोजनों से राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के प्रति कर्मचारियों का उत्साहवर्धन होता है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ दिमाग रहता है, अतः शरीर को स्वस्थ रखना सभी की प्राथमिकता होनी चाहिये। आज की संगोष्ठी से हम सभी लाभान्वित होंगे।

लखनऊ जं0 स्टेशन पर सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए चिकित्सक

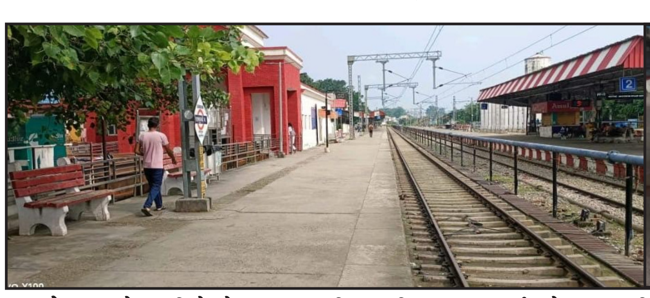

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के तीसरे दिन 19 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं स्टेशनों पर सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतिक्षालय, कार्यालयों तथा ट्रैक किनारों की सफाई की गई। 19 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में लखनऊ जं., ऐशबाग, बस्ती, गोण्डा, खलीलाबाद एवं गोरखपुर स्टेशनों पर रेलकर्मियों तथा यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवं वॉकाथन किया गया। लखनऊ जं0 स्टेशन पर स्वच्छता शिविर लगाकर चिकित्सकों द्वारा सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया तथा स्टेशनों पर ट्रैक किनारों की साफ-सफाई करायी गयी। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा वाटर बूथ पर पानी की गुणवत्ता की जाँच की गयी तथा गाजीपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई कराई गई। स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक सुश्री वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन में इज्जतनगर रोड नं.-4 से न्यू मॉडल रेलवे कालोनी तक अधिकारियों, रेलकर्मियों एवं स्काउट गाइड के सदस्यों द्वारा पोस्टर, बैनर के माध्यम से वॉकाथन कर लोगों को जागरूक किया गया। प्रमुख स्टेशनों, रेलवे कालोनियों एवं ट्रैक किनारों की सफाई की गई तथा सुखे एवं गीले कचड़े के पृथक्कीकरण हेतु स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा स्टेशन पर उपलब्ध वाटर बूथ पर पानी के गुणवत्ता की जाँच की गयी तथा यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया।

खंड शिक्षक निर्वाचन के लिए पुनरीक्षण कार्यक्रम 30 से

बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम 30 सितंबर से प्रारंभ होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान ने बताया कि 1 नवंबर 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलियों में संशोधन का प्रावधान निर्धारित किया गया है। बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 30 सितंबर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (3) के तहत सार्वजनिक नोटिस जारी की जाएगी। 15 अक्तूबर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (4) के तहत समाचार पत्रों में नोटिस का प्रथम पुनर्प्रकाशन होगा। 25 अक्तूबर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 31 (4) के तहत समाचार पत्रों में नोटिस का द्वितीय प्रकाशन होगा। 6 नवंबर को फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी। 20 नवंबर को पांडुलिपियों की तैयारी और आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का मुद्रण किया जाना है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को चोर समझकर ग्रामीणों ने पीटा, पुलिस को सौंपा

बस्ती छावनी। थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में बृहस्पतिवार को प्रेमिका से मिलने पहुंचे एक युवक को ग्रामीणों ने चोर समझकर पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में ग्राम प्रधान की मध्यस्थता से उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, बाइक से आए दो युवक काफी देर तक गांव में घूमते रहे। ग्रामीणों को शक हुआ तो उन्होंने दोनों से पूछताछ शुरू की। एक युवक ने बताया कि वह गांव में रहने वाली लड़की से मिलने आया है, लेकिन जिस लड़की और उसके परिजन का नाम बताया गया, वे लोग गांव में रहते ही नहीं थे। इस पर ग्रामीणों को गड़बड़ी का अंदेशा हुआ और युवकों के साथ हाथापाई करने लगे। ग्राम प्रधान अजय सिंह ने बताया कि युवक संदिग्ध रूप से गांव में घूमते देखे गए, जिसके बाद लोगों ने उन्हें रोक लिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई और दोनों को थाने पहुंचाया गया। थानाध्यक्ष छावनी जनार्दन प्रसाद ने बताया कि युवकों के परिजनों को बुलाकर पूछताछ की जा रही है।

ड्रोन व चोरी की अफवाहों पर न दें ध्यान, पुलिस ने दिलाया भरोसा

बस्ती बनकटी। लालगंज पुलिस ने देईसांड़ कस्बे के एक मैरिज हाल में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने कहा कि रात्रि में संदिग्ध ड्रोन उड़ने या अजनबी व्यक्ति मिलने पर तुरंत पुलिस व डायल 112 को सूचना दें। चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी और किसी भी अजनबी को चोर समझकर मारपीट न करें। हाल ही में चूरन बेचने वाले एक वृद्ध को चोर समझकर पीटे जाने की घटना का जिक्र करते हुए लोगों से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील की। चौपाल में मुख्य आरक्षी रमेश चंद्र यादव, अनिल यादव समेत वार्ड सभासद वीरेंद्र गुप्ता, बालकेश यादव, अर्जुन चौधरी, धर्मेंद्र कुमार, लड्डू यादव, बबलू चौधरी, अजय अग्रहरि सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

तीसरे दिन भी नहीं मिला मनीष का सुराग, नदी में डूबने की आशंका

बस्ती । सरयू नदी के कलवारी टांडा पुल से नगर थाना क्षेत्र के खड़ौवा खुर्द निवासी 28 वर्षीय मनीष गौतम के छलांग लगाने की आशंका में एसडीआरएफ लखनऊ की टीम लगातार सर्च अभियान चला रही है। दो दिन की मशक्कत के बावजूद अब तक उसका पता नहीं चल सका है। बृहस्पतिवार को एसडीआरएफ की बोट पर मनीष के चचेरे भाई अभिषेक और मुकेश भी सवार थे। अभिषेक गौतम ने बताया कि वे पुल से लगभग 20 किलोमीटर पूरब तक गए। इस दौरान केवल एक मृत मवेशी मिला, लेकिन मनीष का कोई सुराग नहीं लगा। अभिषेक ने बताया कि रविवार शाम करीब 6 बजे उसकी मनीष से फोन पर बात हुई थी। बातचीत में कहीं से भी यह महसूस नहीं हुआ कि वह तनाव में है। एसडीआरएफ लखनऊ के उपनिरीक्षक सौरभ सिंह ने बताया कि टीम लगातार तलाश कर रही है।

कार की टक्कर के बाद 10 मीटर तक घसीटती रही बाइक, महिला समेत दो की मौत; एक घायल

वाराणसी । प्रयागराज हाईवे पर दर्दनाक हादसा हुआ। गिराई पावर हाउस के सामने कार की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक युवक घायल हो गया। भदोही जिले की कोतवाली क्षेत्र के गिराई पावर हाउस के सामने वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर बृहस्पतिवार की देर रात तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार महिला और एक युवक की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 387 अंक टूटा, निफ्टी 25400 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से तीन दिन से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 387.73 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 82,626.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 528.04 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 82,485.92 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.55 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 25,327.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ गए। वहीं अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एसबीआई, एनटीपीसी और सन फार्मा लाभ में रहे।

केशव प्रसाद मौर्य का राहुल गांधी पर करारा वार, कहा, 2047 तक पीएम की कुर्सी का सपना भूल जाइए

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की कुर्सी पर गांधी खानदान का जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है मगर सत्ता के आने का उनका यह ख्वाब 2047 तक पूरा होने वाला नहीं है। लखनऊ विश्वविद्यालय में एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मौर्य ने कहा कि कभी भूकंप लाने की बात की जाती है, कभी एटम बम फोड़ने की बात की जाती है, तो कभी हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात की जाती है। इतनी व्याकुलता सत्ता के बिना दुनिया के अंदर किसी भी विपक्ष के नेता के अंदर देखने को नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर गांधी खानदान का अपना जन्मसिद्ध अधिकार जैसे मान लिया है। इसीलिए ऐसा एटम बम लाते हैं, ऐसा हाइड्रोजन बम लाते हैं कि वो टांय टांय फिस्स हो जाता है। उसकी आवाज भी कहीं सुनाई नहीं देती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अंदर कांग्रेस, यूपी में समाजवादी पार्टी और राजद बिहार के अंदर अवसाद के शिकार हो गए हैं। मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं। सत्ता के बिना यह जी नहीं सकते, जैसे पानी के बाहर मछली नहीं जिंदा रह सकती है। इस प्रकार के बयान गैर जिम्मेदाराना है, घटिया है, इनको हम नकारते हैं। इस दौरान केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यदि कोई शिकायत है किसी संस्था से, शिकायत है किसी व्यवस्था से, तो इसकी लिखित शिकायत करना चाहिए। केवल टीवी में दिखें, अखबार में छपे, सोशल मीडिया में चले, इसके लिए इस प्रकार का बयान देना, जिससे देश में अराजकता फैल जाए, देश का माहौल खराब हो जाए। देश की सत्ता राहुल गांधी को मिल जाए, गलत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनका सपना 2047 तक पूरा होने वाला नहीं है। विकसित भारत बनने तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में, भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में, एनडीए की सरकार देश में है, बिहार में है, उत्तर प्रदेश में है और रहेगी। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व वोट चोरी का आरोप चुनाव आयोग पर लगाए जाने के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि देश के युवा, विद्यार्थी और जेन-जी, संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं।

लापता युवक का शव नाले में मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

लखनऊ (संवाददाता)। नगराम थाना क्षेत्र में लापता युवक का शव गांव के बाहर नाले में मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है। शव सलेमपुर शारदा नहर साइफन के पास छोतीकस्वा मार्ग पर स्थित नाले में मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। मृतक की पहचान छोतीनिवासी रामफेर (35) के रूप में हुई। उनकी पत्नी मीरा ने बताया कि रामफेर गुरुवार शाम करीब सात बजे घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने गांव और आसपास के इलाकों में उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह रामफेर का शव गांव से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर कच्चे रास्ते के किनारे ड्रेनेज नाले में मिला। थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वीडियोग्राफी कराते हुए शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मृतक रामफेर के परिवार में उनकी पत्नी मीरा, एक बेटा और बेटी है। रामफेर तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। सबसे बड़ा भाई पवन और छोटा सुभाष है। मृतक बैंड-बाजा बजाता था। मृतक के भाई सुभाष ने बताया कि आज शुक्रवार सुबह उनकी किसी पुराने मामले में पेशी थी। वह और पवन बस से चारबाग पहुंचे ही थे कि उन्हें फोन पर सूचना मिली थी भाई रामफेर की डेड बॉडी मिली है। वापस दोनों भाई मौके पर पहुंचे। सुभाष का कहना है कि जिस जगह भाई का शव मिला है, उस जगह पर शराब के दो पाउच और चार ग्लास भी मिले है। रामफेर का फोन गायब है। बेल जा रही है लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कराये जा रहे सामूहिक विवाह की तैयारी अंतिम चरण में

लखनऊ (संवाददाता)। मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कल रविवार दिनांक 21 सितंबर 2025 को कराए जाने वाले सामूहिक विवाह की तैयारी जोश-शोर से की जा रही है। इसी सिलसिले में सब कमेटी के अध्यक्ष जनाब इमरान खान एवं सेक्रेटरी जनाब बशीर खान द्वारा एक बैठक बुलाई गई जिसमें जनाब खालिद इस्लाम, जनाब मेराज अहमद, जनाब सऊद अहमद साहब, जनाब अनवर सिद्दीकी साहब, जनाब आमिर खान साहब, जनाब आमिर किदवई साहब, जनाब जाहिद रजा साहब, मौलाना हम्माद करीम साहब, हाफिज सलमान साहब, जनाब मोहम्मद अफजल साहब, जनाब जुनैद साहब खासतौर से उपस्थित होकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। जनाब इमरान खान एवं जनाब बशीर खान ने बताया कि इस बार 9 जोड़ों का निकाह कराया जाएगा। सभी जोड़ों को कपड़ों हेतु 10000 नगद दिया गया। बाकी गृहस्थी का सारा सामान निकाह के उपरांत दिया जाएगा। इंशाल्लाह 21 सितंबर दिन रविवार बाद नमाज जोहर जामा मस्जिद मुंशी पुलिया पर सभी जोड़ों का निकाह शेख उल हदीस मौलाना मोहम्मद जकारिया संभली नदवी साहब द्वारा पढ़ाया जायेगा। जिसमें शहर के संभ्रांत एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोग उपस्थित रहेंगे।

सऊदी एयरलाइन्स ने वापस लिया किराया वृद्धि का फैसला, लखनऊ-जेद्दा यात्रियों को मिली बड़ी राहत

लखनऊ (संवाददाता)। सऊदी एयरलाइन्स ने लखनऊ से जेद्दा के लिए टिकट किराए में की गई 7,000 रुपये की वृद्धि को वापस लेने का फैसला किया है। इस निर्णय से पुराने टिकट धारकों को अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। पहले एयरलाइन ने टिकट का किराया 52,200 रुपये से बढ़ाकर 59,000 रुपये कर दिया था, जिसके बाद पुरानी बुकिंग वाले यात्रियों से 7,000 रुपये अतिरिक्त वसूलने की योजना थी। इस फैसले को रद्द करने के बाद उन यात्रियों को राहत मिली है, जिन्होंने पहले से टिकट बुक कराए थे। उमरा टूर ऑपरेटर्स ने सऊदी एयरलाइन्स के इस कदम का स्वागत किया है और इसे यात्रियों के हित में बताया है। यह निर्णय उमरा यात्रियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि किराया वृद्धि से उनकी यात्रा लागत में काफी इजाफा हो रहा था। अब पुराने किराए पर ही यात्रा सुनिश्चित होने से यात्रियों में संतोष देखा जा रहा है।

सलेंडर लीकेज से अधिवक्ता के घर लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के छितवनपुर मोहल्ले में एक अधिवक्ता के मकान में खाना बनाते समय सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे किचन और आसपास के हिस्से को चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना अधिवक्ता बृजेंद्र सोनकर के घर की है। बताया जा रहा है कि पितृ पक्ष के चलते पकवानों की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान एक गैस सिलेंडर से दो चूल्हे जोड़े गए थे, जिससे गैस लीक हो गई और आग लग गई। धुआं उठते ही अफरा-तफरी मच गई। पड़ोसियों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर समय रहते बड़ी अनहोनी को टाल दिया। हालांकि, आग से रसोईघर और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

राजधानी में अवध मुद्राशास्त्रीय समिति अवध सिक्का प्रदर्शनी 2025 का हो रहा आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था इसका सबसे बड़ा उदाहरण आज राजधानी लखनऊ में आयोजित अवध प्रदर्शनी में देखने को मिला जहाँ उस समय के चलने वाले सोने के सिक्के लोगों के लिए चर्चा का विषय बने रहे। इस प्रदर्शनी में नवाब वाजिद अली शाह के समय 1852 का सिक्का बना चर्चा का विषय बना रहा साथ साथ हिंदुस्तान का सबसे पहला सिक्का भी इस प्रदर्शनी में दिखाई दिया प्रदर्शनी के पहले दिन ही दुर्लभ सिक्को में दिलचस्पी रखने वालो की भीड़ जुटी रही 19 से 21 सितंबर तक इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन इतिहास, सिक्कों और विरासत में रुचि रखने वालों के लिए बेहतरीन अवसर है इस प्रदर्शनी में सिक्कों, बैंकनोटों और पदकों की दुर्लभ प्रदर्शनी का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंटैक के अध्यक्ष श्री अशोक सिंह ठाकुर और विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने किया सोसायटी के नेतृत्व में अध्यक्ष रण विजय सिंह, सभापति वी. वी. सिंह, उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, सचिव मोहम्मद सुल्तान, कोषाध्यक्ष, लव भालोटिया शामिल रहे।

दिव्या खोसला और निर्देशक उमेश शुक्ला ने लखनऊ में अपनी आगामी फिल्म एक चतुर नार का प्रचार किया

लखनऊ (संवाददाता)। अपनी आगामी फिल्म एक चतुर नार की आत्मा रहे शहर का जश्न मनाते हुए, मुख्य अभिनेत्री दिव्या खोसला और प्रशंसित निर्देशक उमेश शुक्ला ने फिल्म के प्रचार के सिलसिले में लखनऊ का दौरा किया। इस आकर्षक दौरे में प्रमुख स्थानीय मीडिया संस्थानों के साथ मीडिया से बातचीत की एक श्रृंखला शामिल थी, जहाँ दिव्या और उमेश शुक्ला ने अपनी रचनात्मक यात्रा, लखनऊ में फिल्मांकन के दौरान के अनुभवों और एक चतुर नार के पीछे की प्रेरणा पर चर्चा की। दोनों ने एक लोकप्रिय लखनऊ मेट्रो स्टेशन का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने दैनिक यात्रियों से बातचीत की, प्रशंसकों को आश्चर्यचकित किया और प्रचार गतिविधियों में एक जीवंत, स्थानीय स्पर्श जोड़ा।टी-सीरीज प्रस्तुत करती है ए मेरी गो राउंड स्टूडियोज प्रोडक्शन, जिसका निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और जिसका निर्माण उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने किया है। दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश अभिनीत एक चतुर नार अब सिनेमाघरों में है।

राज्य संग्रहालय में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत प्रश्नोत्तरी और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य संग्रहालय लखनऊ संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के अंतर्गत आज पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा एवं निदेशक राज्य संग्रहालय लखनऊ के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन दो वर्गों में किया गया। पौधारोपण एवं स्वच्छता में श्रमदान दिया गया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय विद्यालयों में राजकीय विद्यालय निशातगंज, विद्या मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज नरही, राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज लखनऊ, सहाय सिंह बालिका इंटर कॉलेज लखनऊ एमके एसडी इंटर कॉलेज लखनऊ सरस्वती विद्यालय कन्या इंटर कॉलेज लखनऊ, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज लखनऊ आदि अन्य विद्यालयों के लगभग 400 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभा किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार पी राजू द्वारा वृक्षारोपण कर स्वच्छता ही सेवा में योगदान देने हेतु संदेश दिया। डॉक्टर सृष्टि धवन निदेशक उत्तर प्रदेश संग्रहालयनिदेशालय डॉ विनय कुमार सिंह निदेशक राज्य संग्रहालय के साथ अन्य अधिकारी एवं संग्रहालय के कार्मिक विद्यालय के टीचर्स एवं बच्चे मौजूद रहे।

20-25 बार कॉल मगर नही डीएम ने नही उठाया फोन

लखनऊ (संवाददाता)। सपा के महासचिव शिवपाल यादव एक डीएम को 20-25 बार कॉल करते हैं।शिवपाल यादव ये फोन मिलाते हैं बुलंदशहर डीएम को। अब बुलंदशहर डीएम श्रुति को सपा महासचिव शिवपाल यादव का फोन न उठाना भारी पड़ गया।शिवपाल यादव के इतने बार फोन करने के बाद भी डीएम ने रिसीव नहीं किया, बस फिर क्या था, नाराज होकर शिवपाल ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिकायत कर दी।शिकायत के बाद सतीश महाना ने डीएम को नोटिस जारी कर दिया। नोटिस के बाद डीएम को गलती का एहसास हुआ। उन्होंने शिवपाल यादव से माफी मांगी, शिवपाल ने उन्हें माफ भी कर दिया। राजनीतिक विशलेष्कों का कहना है कि अगर शिवपाल अपने रुख पर टिके रहते तो डीएम को सदन में पेश होना पड़ता है। शिवपाल यादव ने कुछ महीने पहले एक कार्यकर्ता से जुड़े काम के लिए डीएम श्रुति को फोन किया था। श्रुति के निजी सहायक ने कई बार फोन उठाया लेकिन डीएम बात करने को तैयार नहीं हुईं। शिवपाल के एक करीबी ने बताया, नेताजी ने उनके पर्सनल नंबर पर भी कॉल किया था, लेकिन डीएम मैडम ने कॉल नहीं उठाया।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की विशेष पहल

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। पहल फिटनेस बढ़ावा देने के साथ सक्रिय जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। लखनऊ स्थित पर्यटन भवन से 21 सितंबर को संडे ऑन साइकिल की शुरूआत होगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने आमजन और स्वास्थ्य के प्रति सजग लोगों को अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 21 सितंबर के प्रातः 6.30 बजे पर्यटन भवन गोमती नगर लखनऊ से संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरूआत होगी। पर्यटन विभाग ने नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी साइकिल लेकर समय से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और इस फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सरकार नागरिकों की स्वास्थ्य और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देने को प्राथमिकताओं में शामिल कर रही है। संडे ऑन साइकिल अभियान के माध्यम से न केवल फिटनेस को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन जागरूकता का संदेश भी दे रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी साइकिल के साथ इस अभियान का हिस्सा बनें और फिट इंडिया अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम लखनऊवासियों के लिए एक अनूठा अवसर है। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिक साइकिल चलाकर स्वास्थ्य और पर्यावरण के साथ पर्यटन से भी जुड़ सकते हैं। उन्होंने नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें और इस जन-जागरूकता पहल का सक्रिय हिस्सा बनें नागरिकों का सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाएगा।

विधान परिषद सदस्यों के चुनाव हेतु मतदाता सूची का पुनरीक्षण 30 सितम्बर से-रिणवा

लखनऊ (संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा प्रदेश की विधान परिषद के पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों तथा छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों का कार्यकाल आगामी वर्ष 6 दिसंबर 2026 को समाप्त होने के कारण इन निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कराया जा रहा है। अर्हता तिथि 1 नवम्बर 2025 के आधार पर यह पुनरीक्षण कार्यक्रम संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में 30 सितंबर से प्रारंभ होगा। इस निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को किया जाएगा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अगले वर्ष 6 दिसम्बर को विधान परिषद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जो 5 सीटें रिक्त हो रही है, उसमें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ एवं इलाहाबाद-झांसी है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की जो 6 सीटें रिक्त हो रही है, उसमें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद है। इन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए 30 सितंबर को सार्वजनिक नोटिस जारी होगा। 15 अक्टूबर को समाचार पत्रों में नोटिस का प्रथम पुनर्प्रकाशन तथा 25 अक्टूबर को इसका द्वितीय पुनर्प्रकाशन होगा। फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर तथा 20 नवंबर को पांडुलिपियों की तैयारी व निर्वाचन नामावलियों का मुद्रण होगा। निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 25 नवंबर को होगा। दावे आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक है। 25 दिसम्बर तक दावें-आपत्तियों का निस्तारण होगा और अनुपूरक सूची तैयार कर मुद्रित की जाएगी। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को होगा। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली में नाम शामिल कराने के लिए आवेदक को अर्हता तिथि से कम से कम 3 वर्ष पूर्व स्नातक हो या इसके समकक्ष अर्हता रखता हो। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु आवेदक को एक नवम्बर अर्हता तिथि से पहले राज्य के माध्यमिक स्तर के शैक्षिक संस्थानों में विगत 6 वर्षों में 3 वर्ष से शिक्षण कार्य किया हो। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार लखनऊ, हरदोई, खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली एवं प्रतापगढ़ जनपद तक। वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर एवं सोनभद्र तक। आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का विस्तार आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, फरुर्खाबाद एवं कासगंज जनपद तक। मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र विस्तार बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हापुड़ जनपद तक।

उत्तर प्रदेश के 11 पर्यटन साइट बनेंगी ईको टूरिज्म आइकान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी विकसित 11 विश्वस्तरीय ईको-टूरिज्म स्थलों को और आकर्षक व पर्यटक-अनुकूल बनाने की तैयारी कर रहा है।पर्यटकों को परिसंपत्तियों में प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक ईको-फ्रेंडली अवसंरचना का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। बोर्ड इन स्थलों को देश के ईको-टूरिज्म आइकान के रूप में तैयार कर रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ इको-टूरिज्म स्थलों के हब के रूप में विकसित करना है। इन स्थलों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देते हुए पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान किया जाएगा। उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी की नई पहल के तहत अयोध्या, चित्रकूट, बलिया, बाराबंकी, ललितपुर, बांदा, जालौन, कुशीनगर, सीतापुर, महाराजगंज और मिल्कीपुर अयोध्या जिला तक ईको-टूरिज्म परिसंपत्तियों का विस्तार किया गया है। ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड राज्य के 11 प्रमुख स्थलों पर पर्यावरण अनुकूल पर्यटन सुविधाएं विकसित करने और रखरखाव पर विशेष ध्यान दे रही है। इन स्थलों में अयोध्या फ्लोटिंग रेस्तरां और उधेला झील, बलिया के मेरितार गांव-सुरहा ताल बर्ड सेंचुरी, बाराबंकी की बगहर झील, सीतापुर की अज्जेपुर झील, कुशीनगर का सोहरौना ताल, चित्रकूट का रामनगर झील एवं मड़फा किला, जालौन का पचनदा पांच नदियों का संगम ललितपुर का ककरावल जलप्रपात, बांदा पर्यटक सुविधा केंद्र, कालिंजर किला तथा महाराजगंज की देवदह इको टूरिज्म साइट शामिल हैं। विभाग का कहना है कि इन स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और सस्टेनेबल टूरिज्म टिकाऊ पर्यटन सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। ऐसे प्रयासों से स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और राज्य की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। उत्तर प्रदेश केवल ईको-टूरिज्म स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न प्रकार के पर्यटन का भी केंद्र है। राज्य सरकार प्रकृति के संरक्षण, सांस्कृतिक धरोहर के प्रदर्शन, रोजगार सृजन और स्थानीय समुदायों को अधिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। निवेशकों और ऑपरेटर्स को आमंत्रित किया है कि वे सरकार के साथ मिलकर इन स्थलों को देश के सबसे पसंदीदा ईको टूरिज्म स्थल बनाने में योगदान दें।निदेशक पर्यटन इको प्रखर मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड का उद्देश्य इन परिसंपत्तियों को ह्यईको-टूरिज्म आइकनह्ल के रूप में विकसित कर स्थानीय समुदायों को रोजगार, प्रशिक्षण, आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। इन परियोजनाओं के माध्यम से हम न केवल पर्यटकों को प्रकृति और संस्कृति का अनूठा अनुभव देंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

जी5 की आने वाली क्राइम थ्रिलर जनावर द बीस्ट विदइन का प्रचार करने के लिए भुवन अरोड़ा और निर्देशक शचिंद्र वत्स लखनऊ पहुँचे

लखनऊ (संवाददाता)। अभिनेता भुवन अरोड़ा और निर्देशक शचिंद्र वत्स अपनी आने वाली जी5 ओरिजिनल सीरीज ष्जनावर द्द द बीस्ट विदइन का प्रचार करने के लिए नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे। वहां जाकर सबसे पहले उन्होंने लखनऊ के पुलिस उप आयुक्त शशांक सिंह से मुलाकात की और साथ ही अन्य पुलिस हीरोज से मुलाकात कर फोटो खिंचवाई। भुवन अरोड़ा, जो सीरीज में एक ईमानदार पुलिस अफसर का किरदार निभा रहे हैं, उन्होंने इस दौरान उनके ऑन-स्क्रीन किरदार और असली जिंदगी के पुलिस वालों के बीच समानता के बारे में बताया। इसके बाद दोनों ने शहर के फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया। यहाँ उन्होंने शो से जुड़ी खास बातें बताईं और दर्शकों से मजेदार बातचीत की। यह क्राइम थ्रिलर सीरीज सिर्फ जी5 पर 26 सितम्बर 2025 को रिलीज होगी। जनावर द बीस्ट विदइन की कहानी छंद नाम के कस्बे से शुरू होती है। यहाँ हेमंत कुमार (भुवन अरोड़ा), जो एक ईमानदार पुलिस अफसर है, अपराधों के खतरनाक चंगुल में फँस जाता है। कस्बे में एक बिना सिर की लाश, गायब हुआ सोना और लापता आदमी, सब मिलकर वहां का सुकून छीन लेते हैं। हेमंत को न सिर्फ इस मुश्किल केस से जूझना पड़ता है, बल्कि समाज की पक्षपात भरी सोच और अपनी निजी परेशानियों से भी लड़ना पड़ता है। जैसे-जैसे राज खुलते जाते हैं, ग्राम देवता की विरासत सामने आती है, जो बताती है कि असली पहचान जन्म से नहीं, बल्कि हिम्मत से बनती है। छंद कस्बा अपने अंदर और भी कई राज छुपाए हुए है। अपने लखनऊ आने और प्रीमियर के बारे में भुवन अरोड़ा ने बताया कि, ह्लखनऊ हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। यहाँ आकर जनावर द्द द बीस्ट विदइन का प्रचार करना इसे और भी खास बना देता है। यहाँ के लोगों का जोश, प्यार और अपनापन बेमिसाल है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें एक ऐसे इंसान की ताकत और कमजोरियाँ दिखाई गई हैं, जो मुश्किल हालात में सच के लिए लड़ता है। मैं उम्मीद करता हूँ कि यहाँ के साथ - साथ पूरे देश के दर्शक हेमंत की कहानी से वैसे ही जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ा हूँ।ह्व निर्देशक शचिंद्र वत्स ने कहा कि द्दह्लजनावर द्द द बीस्ट विदइन के प्रचार के लिए लखनऊ आना बहुत मायने रखता है, क्योंकि इस शहर का कहानी कहने और सिनेमा से गहरा रिश्ता है। यह शो सिर्फ अपराध और रहस्य की कहानी नहीं कहता, बल्कि असली पहचान, हिम्मत और हमारे फैसलों के बारे में भी बताता है, जो हमारी शख्शियत तय करता है।

अपर्णा यादव की मां पर एफआईआर, प्रियदर्शनी-जानकीपुरम योजना में घोटाले में नाम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की बहुचर्चित प्रियदर्शनी-जानकीपुरम योजना में भूखंड आवंटन घोटाले में अपर्णा यादव की मां और एलडीए की तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट के खिलाफ एफआईआर हुई है। इस मामले की जांच 2016 से चल रही थी थी। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की खुली जांच में तत्कालीन 5 अफसर दोषी पाए गए हैं। शासन ने पांचों अफसरों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद लखनऊ स्थित विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। अंबी बिष्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण में संपत्ति अधिकारी रहने के बाद लखनऊ नगर निगम में कर अधिकारी के तौर पर पदस्थ रहीं। करीब एक साल पहले 30 सितंबर 2024 को वह रिटायर हुई थीं। जांच में पाया गया कि तत्कालीन संपत्ति अधिकारी अंबी बिष्ट ने रजिस्ट्री और विक्रय विलेख (सेल डीड) पर हस्ताक्षर किए थे। तत्कालीन अनुभाग अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने कब्जा पत्र जारी किए, जबकि उपसचिव देवेंद्र सिंह राठौड़ ने आवंटन पत्र जारी किए। वरिष्ठ कास्ट अकाउंटेंट सुरेश विष्णु और अवर वर्ग सहायक शैलेंद्र कुमार गुप्ता पर भी फर्जी अभिलेख तैयार कर भूखंडों का गलत मूल्यांकन करने का आरोप है। विजिलेंस की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि इन पांचों अधिकारियों ने स्वर्गीय मुक्तेश्वर नाथ ओझा के साथ मिलकर आवंटन में हेरफेर की। सभी दस्तावेजों पर मौजूद हस्ताक्षरों की पुष्टि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराई गई, जो सही पाई गई। अब शासन ने धारा 120-बी आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू करने का आदेश दिया है। अंबी बिष्ट उत्तर प्रदेश महिला आयोग की वर्तमान उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की मां हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद वे अक्सर अखिलेश यादव और विपक्षी दलों पर बयान देती रही हैं। ऐसे में एफआईआर की इस कार्रवाई ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। 2016 में शासन ने इस प्रकरण की खुली जांच का आदेश दिया था। कई रिपोर्ट आने, समीक्षा और मंजूरी के बाद 18 सितंबर 2025 को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया। इसके बाद लखनऊ विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। इधर लखनऊ में मां अंबी बिष्ट पर एफआईआर दर्ज की गई और उधर अपर्णा यादव सुल्तानपुर जिला जेल दौरे में पहुंचीं। उन्होंने महिला बंदियों से मुलाकात की। इसके बाद जब वह बाहर निकलीं तो मीडिया ने उनकी मां पर एफआईआर दर्ज होने पर उनसे प्रतिक्रिया पूछी। इस पर उन्होंने कहा-नो कमेंट। इसके बाद वह राहुल गांधी पर बोलने लगीं। उन्होंने हाइड्रोजन बम वाले बयान पर कहा-वोट चोरी करना या न करना एक विषय है, कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है? बोफोर्स क्या है? गूगल पर सर्च कर लीजिए, कांग्रेस की पोल खुल जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से राष्ट्र विरोधियों की नींद खराब हो गई है।

सम्पादकीय

कला-शिल्प का विराट उत्सव भी शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्रि भारत में नौ दिनों तक मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार है। यह केवल देवी पूजा का पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव, लोकनृत्य, संगीत, कला और सामाजिक मेलजोल का भी उत्सव है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग-अलग रूपों में भव्यता से मनाया जाता है। भारत विविधताओं का देश है। यहां पर हर पर्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह समाज की सांस्कृतिक धड़कन बनकर हमारे लोकजीवन को गतिमान बनाये रखता है। शारदीय नवरात्रि इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। नौ दिनों का यह पर्व देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूपों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। हालांकि, धार्मिक आस्था सभी परंपराओं के केंद्र में होती है। मगर इसकी छाया में कहीं लोकनृत्य, कहीं संगीत, कहीं खानपान और कहीं कला का ऐसा सामूहिक उत्स उमड़ता है कि शारदीय नवरात्रि विशिष्ट सांस्कृतिक मंच बन जाते हैं। ग्रामीण भारत में नवरात्रि का समय खेतों और घरों में नये उम्मीदों का मौसम लाता है। मानसून की फसलें पकने लगती हैं और किसान नये कामों की योजनाएं बनाने लगते हैं। यही कारण है कि नवरात्रि के अवसर पर गांवों में मेलों, रामलीलाओं और भजन मंडलियों का विशेष धमाल देखने को मिलता है। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक उत्सव भी हैं। इन नवरात्रि का सबसे भव्य रूप बंगाल में देखने को मिलता है, जहां इसे दुर्गा पूजा कहा जाता है। इस अवसर पर कोलकाता और बंगाल के दूसरे शहरों, कस्बों और गांव-गांव में देवी मां के पंडाल सजते हैं, जहां मां की भव्य प्रतिमाएं स्थापित होती हैं। कलाकार महीनों पहले इन प्रतिमाओं की तैयारी करते हैं। पंडालों की थीम कभी सामाजिक संदेश होती है, तो कभी किसी ऐतिहासिक स्थल की झलक पेश करती है। पूरे पांच दिन तक पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य संगीत और भोज उत्सव का आयोजन चलता है। अंत में मां दुर्गा की प्रतिमा की विसर्जन यात्रा निकलती है, जिसमें ढाक की धुन, ढोल, नगाड़े और नृत्य के साथ देवी मां को विदा किया जाता है। इसी समय गुजरात में गरबा और डांडिया की धूम रहती है। यहां रात-रातभर नृत्योत्सव चलता है। गुजरात में विशेषकर नृत्य, देवी मां की उपासना का जरिया होता है। गरबा की गोल-गोल घूमती तालियां, रंग-बिरंगे परिधान, दीयों की मनमोहक लौ और शक्ति की भक्ति में डूबे भक्त, उत्सव के आनंदातिरेक में होते हैं। वास्तव में गुजरात में भक्ति और शक्ति के मिलन का उत्सव मनाया जाता है। उत्तर भारत में रामलीलाएं शारदीय नवरात्रि का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आकर्षण हैं। नौ दिनों तक यहां गांव-गांव में, शहर-शहर में रामलीलाओं का मंचन होता है, जहां साधारण ग्रामीण जनों से लेकर मशहूर और व्यावसायिक कलाकार तक इसमें हिस्सेदारी करते हैं। मंच पर राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के रूप धरे कलाकार जब डूबकर अभिनय करते हैं, तो दर्शक भक्ति रस में डूब जाते हैं। दसवीं के दिन यहां रावण दहन के साथ शारदीय नवरात्रि का उत्सव चरम पर पहुंच जाता है। यह परंपरा न केवल समाज को एक सूत्र में पिरोती है बल्कि नई पीढ़ी को नैतिक और धार्मिक शिक्षा भी देती है। शारदीय नवरात्रि के समय भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट लोकगीतों की गूंज रहती है। कहीं देवी मां के जागरण का स्वर दमकता है, तो कहीं भजन मंडलियां पूरे वेग से भजनों में रमी होती हैं। राजस्थान और हरियाणा में घर घर देवी मां के गीत गूंजते हैं। कुल मिलाकर शारदीय नवरात्रि पूरे देश में धार्मिक, आस्था और सामाजिक भागीदारी का विशिष्ट आयोजन होते हैं। चूंकि नवरात्रि उपवास का पर्व है, लेकिन शाम ढलने के बाद थोड़ा अल्पाहार ग्रहण किया जा सकता है। इसलिए इन पूरे नौ दिनों तक अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग अल्पाहार या उपवास व्यंजनों की भरमार रहती है। शारदीय नवरात्रि के उपवास स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। इस समय पूरे भारत में अनगिनत किस्म के व्यंजनों की भरमार रहती है, जिससे यह पर्व खानपान की विविधता और संस्कृति का महापर्व भी बन जाता है। शारदीय नवरात्रि के समय कला और शिल्प का प्रभाव भी हर तरफ देखने को मिलता है। यह पर्व कलाकारों और शिल्पकारों के लिए बेहद प्रेरक होता है। दुर्गा प्रतिमाएं, पंडाल की सजावट, रंग-बिरंगे परिधान, आभूषण और लोकनृत्य की वेशभूषा, इस सबमें एक विशेष रचनात्मकता देखने को मिलती है। इसलिए भी शारदीय नवरात्रि केवल धार्मिक पर्व न होकर कला और शिल्प का विशिष्ट उत्सव बन जाती है।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं। आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरुस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया। भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

राहुल गांधी की दूसरी प्रेस कांफ्रेस, कुछ नए सवाल

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेस में फिर से वोट चोरी और चुनावी धांधली के नए सबूत पेश किए हैं। बुधवार शाम को जब सूचना आई कि श्री गांधी 18 सितंबर की सुबह प्रेस कांफ्रेस करने वाले हैं, तो कयास लगने की लगे कि 1 सितंबर को जिस हाईड्रोजन बम का डर उन्होंने भाजपा को दिखाया था, वो फूटने वाला है। लेकिन प्रेस कांफ्रेंस शुरू होते ही राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है। गौर करने की बात है कि राहुल गांधी ने इस बार प्रेस कांफ्रेस में युवाओं को संबोधित किया है, क्योंकि इस देश का लोकतंत्र अब युवाओं को ही संभालना है। इसलिए उन्हें न केवल चुनावी प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए, बल्कि ये भी पता होना चाहिए कि इसमें किस किस्म की गड़बड़ी की जा सकती है। अभी यह कहना मुश्किल है कि कितने युवाओं ने इस प्रेस कांफ्रेस को देखा और राहुल गांधी की बात को समझा है। लेकिन देश का युवा राहुल गांधी के दिखाए सबूतों के आधार पर अगर मोदी सरकार से और चुनाव आयोग से सवाल करने लग जाए तो फिर ऐसी धांधलियों पर काफी हद तक रोक लग जाएगी। गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त को भी कड़ी चेतावनी दी है कि आप को पद संभालते वक्त ली जाने वाली शपथ याद रखनी चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। वोट चोरी का काम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में संरक्षण हो रहा है। बता दें कि 7 अगस्त की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर कई नाम जोड़े जाने के सबूत पेश किए थे। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस में राहुल गांधी ने बताया है कि कैसे मतदाता सूची से नाम काटे गए हैं और इसके लिए अलग-अलग राज्यों से फोन नंबर का इस्तेमाल हुआ है। राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेस में ऐसे लोगों को लेकर भी आए जिनके नाम से वोट काटे गए। इन्हीं में से एक शख्स ने बताया कि उनके नाम से 12 वोट काटे गए, जबकि उन्होंने कभी ऐसा किया ही नहीं। दो शख्स और आए, जिनमें एक का नाम सूची से काटा गया था और दूसरे ने नाम काटने की अर्जी दी थी। लेकिन असल में दोनों ही इस बात से अनजान थे कि उनके नाम पर ऐसा कुछ हुआ है। एक दिलचस्प उदाहरण भी राहुल गांधी ने दिया कि एक शख्स ने सुबह चार बजे उठकर दो अर्जियां दाखिल कीं और दोनों ही महज 36 सेकंड में दाखिल की गईं। यानी आधे मिनट में दो-दो आवेदन दिए गए वो भी सुबह 4 बजे, जिस पर एकबारगी यकीन नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसा हुआ है और इस सबके पीछे बड़े पैमाने पर तैयारी की गई है। राहुल गांधी के मुताबिक योजना बनाकर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर वोटर लिस्ट से नाम काटा जा रहा है। जिस बूथ पर कांग्रेस वोटर ज्यादा हैं, वहीं वोट काटा जा रहा है। कर्नाटक की ही आलंद विधानसभा का प्रमाण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि आलंद में किसी ने 6,018 वोट हटाने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनाव में कुल कितने वोट हटाए गए हैं, लेकिन इतना तय है कि यह संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा थी। राहुल ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब गलती से एक वोट डिलीट करने के दौरान गड़बड़ी पकड़ में आ गई। दरअसल, एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। जब उसने जांच की कि यह वोट किसने डिलीट किया, तो पता चला कि उसका ही पड़ोसी जिम्मेदार दिखाया गया है। लेकिन जब उसने अपने पड़ोसी से बात की, तो उसने साफ कहा कि उसने ऐसा कुछ नहीं किया। यानी जिसने वोट हटाया और जिसका वोट हटा- दोनों ही इस बात से अनजान थे। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है। सीआईडी ने 18 महीने में 18 पत्र चुनाव आयोग को भेजे हैं और पूछा कि हमें डेस्टिनेशन आईपी दीजिए, डिवाईस डेस्टिनेशन के बारे में जानकारी दीजिए, इसके अलावा ओटीपी ट्रेल को भी देने के लिए कहा। कर्नाटक की सीआईडी ने कई बार इसकी मांग चुनाव आयोग से की। लेकिन उस पर चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया। लेकिन गुरुवार की प्रेस कांफ्रेस के कुछ देर बाद ही चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावों के स्क्रीन शॉट पर गलत का ठप्पा लगा दिया और कहा कि आरोप गलत और निराधार हैं। आयोग ने अपने बचाव में कहा कि किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी के भी द्वारा नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। लेकिन आयोग के इन दावों की व्यावहारिक हकीकत देश जानता है। कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब किसी को जानकारी दिए बिना, या उसकी सुनवाई के बिना ही वोटर लिस्ट से नाम काटा गया है। बहरहाल चुनाव आयोग ने ये भी कहा कि 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जाँच के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकारी द्वारा स्वयं एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन चुनाव आयोग ने अब भी ये नहीं बताया कि सीआईडी कर्नाटक ने 18 अलग-अलग मौकों पर जो जानकारी मांगी, वो क्यों नहीं दी गई।

रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और श्लव जिहाद की मनगढ़ंत साजिश

साया संगर

आज भारत में, प्यार और दोस्ती को निजी दायरे से निकालकर राजनीति के मैदान में फेंक दिया गया है। जो सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला होना चाहिए था, उसे अब कपटपूर्ण रूप दिया जा रहा है। ष्लव जिहादष का हौवा मुस्लिम पुरुषों को बदनाम करने, महिलाओं की स्वायत्तता छीनने और सांप्रदायिक उन्माद भड़काने के लिए गढ़ा गया एक मिथ्या ग्रन्थ है। श्लव जिहादश एक मिथक है जिसमें मुस्लिम पुरुषों पर हिंदू महिलाओं को प्यार के बल पर धर्मांतरण के लिए फुसलाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि इसका कोई कानूनी या सांख्यिकीय आधार नहीं है, फिर भी इस लव जिहाद की साजिश ने नफरत का एक उद्योग खड़ा कर दिया है जिसे समाचार चौनलों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, राजनेताओं और नफरत फैलाने वालों द्वारा हथियार बनाया जाता है और निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर लगातार प्रसारित किया जाता है। हाल ही में रेजाज एम. शीबा सिद्दीक और ईशा को निशाना बनाया जाना दशार्ता है कि कैसे झूठ का इस्तेमाल उन लोगों को दबाने के लिए किया जाता है जो अपनी मर्जी से जिंदगी जीते हैं। रेजाज, एक युवा कार्यकर्ता और पत्रकार, जिन्होंने उत्पीड़ितों के बारे में निडरता से रिपोर्टिंग की, को मई में ष्ऑपरेशन सिंदूरष की आलोचना करने वाले एक पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया गया और उन पर यूएपीए के तहत आरोप लगाए गए, जबकि ईशा, एक कानून की छात्रा और एक प्रभावशाली-कार्यकर्ता, जो फिलिस्तीन और वामपंथी विचारों पर सामग्री पोस्ट करने के लिए भी मशहूर हैं, को उनके साथ कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया और उनसे पूछताछ की गई। मीडिया और पुलिस ने दोनों को सिर्फ साथ होने के लिए वस्तु बना दिया। रेजाज की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, संघ के सोशल मीडिया ने इस मौके का इस्तेमाल ष्लव जिहादष की कहानी गढ़ने के लिए किया। जब भी कोई हिंदू महिला और एक मुस्लिम पुरुष साथ दिखाई देते हैं, हिंदू राष्ट्रवादी एक ऐसी पटकथा तैयार कर लेते हैं जिसमें मुस्लिम पुरुष को शैतान बताया जाता है, और हिंदू महिला से उसकी स्वायत्तता छीन ली जाती है और उसे हमेशा पुरुष का ब्रेनवॉश किया हुआ शिकार बना दिया जाता है, तब भी जब दोनों सहमति से वयस्क हों और अपनी पसंद बनाने में पूरी तरह सक्षम हों। रिपोर्टों के अनुसार, पूरी घटना को ष्द केरल स्टोरीष फिल्म की तरह पेश किया गया था - एक ऐसी कहानी जिसने महिला को एक वस्तु बना दिया, उसे बिना वजह बदनाम किया और उसकी स्वायत्तता को अपराधी बना दिया। ऐसी प्रोपेगैंडा फिल्मों से यही नुकसान होता है। सिर्फ इसलिए कि रेजाज मुस्लिम है और ईशा हिंदू है, वे आसान निशाना बन गए और ऑनलाइन दुर्व्यवहार, डॉक्सिंग और यहाँ तक कि उनके ष्एनकाउंटरष के खुले आह्वान का शिकार हो गए। लेकिन इस सब शोर में जो बात छूट गई वह यह थी कि दोनों नास्तिक हैं, लेकिन आज के भारत में, चाहे आप नास्तिक हों या नहीं, आपको राजनीतिक एजेंडे के लिए आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। हमने बार-बार देखा है कि अंतर-धार्मिक विवाह, रिश्ते या दोस्ती के मामलों में, अगर हिंदू महिलाएं मुस्लिम पुरुषों के साथ देखी जाती हैं, तो उन्हें इस्लाम का शिकार बताया जाता है और भारत के राष्ट्रीय मीडिया की इस तरह के हानिकारक प्रचार को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका होती है। यहाँ तक कि पुलिस भी इस हानिकारक कहानी को फैलाने में भूमिका निभाती है। वे शायद ही कभी महिलाओं से पूछते हैं कि वे खुद क्या चाहती हैं। ष्लव जिहादष का कोई सबूत नहीं है। यह कभी अस्तित्व में ही नहीं था। जो मौजूद है वह एक राज्य समर्थित तंत्र है जो प्रेम पर नियंत्रण रखता है, इस्लामोफोबिक षड्यंत्र रचता है और धर्म व जाति के दायरे से बाहर रहने की हिम्मत करने वालों को दंडित करता है। लव जिहाद और नैतिक पुलिसिंग के संदर्भ में, राज्य तंत्र महिलाओं को नियंत्रित करने और पितृसत्तात्मक सत्ता को मजबूत करने का काम करता है। रेजाज और ईशा के मामले में, दोनों को इस तरह से वस्तु बनाया गया कि उनसे उनका व्यक्तित्व ही छीन लिया गया। एक नास्तिक महिला को ष्हिंदू महिलाष की भूमिका में धकेल दिया गया, एक ऐसी महिला जिसे इतना नाजुक और मूर्ख समझा गया कि वह अपने मन की बात नहीं समझ सकती और एक नास्तिक पुरुष को एक ऐसे मुस्लिम पुरुष की भूमिका में धकेल दिया गया जिसे एक शाश्वत शिकारी माना जा रहा है। यह ष्पीड़ितष ढाँचा न केवल पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को लागू करता है, बल्कि इस खतरनाक धारणा को भी मजबूत करता है कि महिलाओं की स्वायत्तता सांप्रदायिकता के लिए खघ्तरा है और इस पर नजर रखी जानी चाहिए, इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए और इसे विनियमित किया जाना चाहिए। नाजीवाद के तहत, महिलाओं का जीवन किंडर, कुचे, किर्चे- बच्चों, रसोई, चर्च- तक सीमित था। फासीवाद को हमेशा महिलाओं की जरूरत होती है, लेकिन केवल उन्हीं की जो उनकी शर्तों का पालन करेंरू शुद्ध आज्ञाकारी पत्नियाँ और वफादार माँएँ। हिंदुत्व भी इसी नीति का पालन करता है। यह महिलाओं को हिंदुत्व के नारे लगाने के लिए आमंत्रित करता है, लेकिन केवल तब तक जब तक वे उनकी नीति का पालन करें। अगर आपकी अपनी सोच है और आप जाति या धर्म की सीमा पार करके प्यार करते हैं, धर्म को अस्वीकार करते हैं, अपनी स्वायत्तता का दावा करते हैं, तो आपको सजा मिलेगी।

पराली की कसक

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की

कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर-नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि ह्यहमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं।ह्ल लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है। निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी-कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुमार्ने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है। साथ ही पराली का निस्तारण करने वाली मशीनों की खरीद के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। मशीनों की खरीद में सब्सिडी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारिता के आधार पर इनके उपयोग से भी सार्थक परिणाम मिल सकते हैं।

वेलालगे के पिता की मौत की खबर सुनकर स्तब्ध रह गए मोहम्मद नबी, मैच में एक ही ओवर में जड़े थे पांच छक्के

अबू धाबी (एजेंसी)। मुकाबले के दौरान ही वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। टीम प्रबंधन ने यह खबर मैच खत्म होने तक खिलाड़ी को नहीं दी। मुकाबले के बाद श्रीलंका के कोच सनथ जयसूर्या खुद मैदान पर वेलालगे को ढांढस बंधाते नजर आए। एशिया कप 2025 के ग्रुप-बी मुकाबले में अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से धमाल मचा दिया। नबी ने सिर्फ 22 गेंदों पर 60 रन बना डाले और श्रीलंका के गेंदबाजों को जमकर निशाना बनाया। उन्होंने बाएं हाथ के युवा स्पिनर दुनिथ वेलालगे के एक ही ओवर में पांच छक्के जड़ दिए। इसके बावजूद अफगानिस्तान की टीम टूनार्मेंट से बाहर हो गई। मुकाबले के दौरान ही वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। टीम प्रबंधन ने यह खबर मैच खत्म होने तक खिलाड़ी को नहीं दी।

50 साल की हो चुकीं अमीषा ने बताया अब तक क्यों नहीं की शादी

एक से बनते-बनते इसलिए बिगड़ गई बात

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री अमीषा पटेल ने ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'कहो ना प्यार है' से डेब्यू किया था। इसके बाद वह गदर में नजर आईं। जल्दी ही वह बॉलीवुड पर छा गईं। अब अभिनेत्री 50 साल की हो चुकी हैं लेकिन उन्होंने अभी शादी नहीं की है। हाल ही में उन्होंने बताया है कि उन्होंने अब तक शादी क्यों नहीं की। अमीषा पटेल को मिलते हैं प्रस्ताव अमीषा पटेल ने खुलासा किया है कि भले ही वह पहले कई लोगों के साथ रिश्तों में रही हों, लेकिन उन्होंने कभी शादी नहीं की क्योंकि लोग चाहते थे कि वह घर बैठ जाएं और एक्टिंग छोड़ दें। अमीषा ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में कहा 'मैं स्कूल में कभी लड़कों के पीछे नहीं भागती थी, बल्कि वह मेरे पीछे भागते थे। तब से मुझे ढेरों प्रस्ताव मिले हैं और अब तक आते ही रहते हैं।' अमीषा ने क्यों नहीं की शादी? अमीषा ने आगे बताया 'मैं जितने लोगों से मिली, उनमें से ज्यादातर चाहते थे कि मैं शादी के बाद घर पर ही रहूं और काम न करूं। यह बात मुझे रास नहीं आई। मैं अपनी जवानी सिर्फ किसी की पत्नी बनकर नहीं बिताना चाहती थी। रुख प्यार के बजाए करियर को चुना अमीषा ने आगे कहा 'जो लोग आपसे प्यार करते हैं, वे आपके करियर को आगे बढ़ने देंगे। मैंने अपने करियर के लिए बहुत कुछ खोया है और प्यार के लिए भी बहुत कुछ खोया है। मैंने एक-दूसरे के लिए दोनों चीजें छोड़ी हैं। मुझे लगता है कि मैंने दोनों से सीखा है। फिल्मों में आने से पहले मेरा किसी से रिश्ता था। वह मेरे लिए अच्छी पसंद थे। हालांकि जब मैंने फिल्म में जाने का फैसला किया, तो मेरा साथी नहीं चाहता था कि मैं लोगों की नजरों में आऊं। इस तरह मैंने प्यार की बजाय अपने करियर को चुना।' अमीषा को कैसा साथी चाहिए? यह पूछे जाने पर कि क्या अमीषा अब प्यार नहीं पाना चाहतीं? इस सवाल के जवाब में अमीषा ने कहा 'मैं शादी के लिए पूरी तरह तैयार हूं, बशर्ते मुझे कोई सही इंसान मिले। कहते हैं न, 'जहां चाह, वहां राह', इसलिए जो व्यक्ति मुझे हर हाल में ढूंढ़ ले और मौके पर चौका मारले, वही मेरा साथी होगा।'

शाहरुख खान के साथ किंग में नजर आएंगे अक्षय ओबेरॉय! शूटिंग के लिए पोलैंड पहुंचे एक्टर

सुपरस्टार शाहरुख खान अपने फैंस के लिए जल्द ही फिल्म किंग लेकर आ रहे हैं, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच एक्टर अक्षय ओबेरॉय ने सोशल मीडिया पर यह शेयर करके इंटरनेट पर खलबली मचा दी है कि वह पोलैंड के लिए रवाना हो रहे हैं। सबका ध्यान इस बात पर गया कि शाहरुख की आगामी फिल्म किंग की शूटिंग भी इस समय पोलैंड में हो रही है। हालांकि अक्षय की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उनके पोस्ट ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। अक्षय ओबेरॉय ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर लिखा-ग्दान्स्क, पोलैंड ने मुझे जी-डांसिंग जैसा महसूस कराया! !एक्टर का ये पोस्ट देख फैंस ने तुरंत कयास लगाने शुरू कर दिए कि अक्षय शायद इस बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर की स्टार कास्ट का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इन अटकलों को और मजबूती देता है अक्षय का किंग के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ पुराना रिश्ता। दोनों पहले फाइटर और फ्लेश जैसे प्रोजेक्ट्स पर साथ काम कर चुके हैं, और उनकी अच्छी ट्यूनिंग से ये संभावना और बढ़ जाती है कि अक्षय को किंग के लिए लिया जा सकता है। फिलहाल,फैंस को इंतजार करना होगा कि क्या अक्षय ओबेरॉय सच में शाहरुख खान के इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा होंगे या नहीं।

मैं पूरी क्रिकेट टीम पैदा करूंगी, 50 साल की अमीषा पटेल ने गोद ले रखे हैं कुछ बच्चे, चुपचाप उठाती हैं उनका खर्चा-पानी

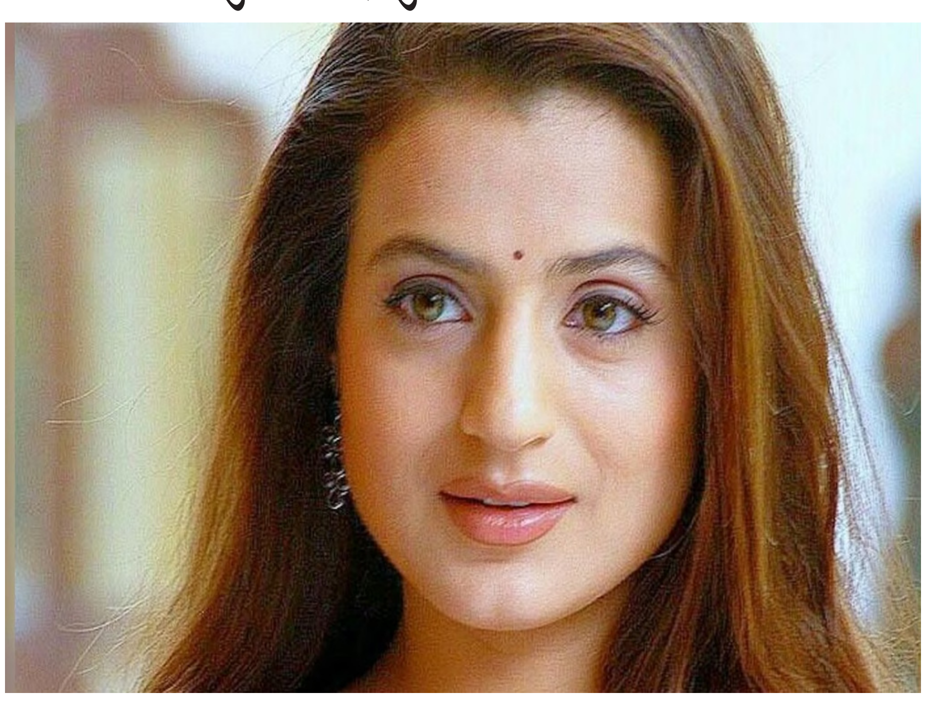

गदर की सकीना यानी बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस अमीषा पटेल 50 की हो गई हैं पर उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। हाल ही में अमीषा पटेल ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने कुछ बच्चों को चुपचाप गोद लिया है और वो उनकी पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं। अमीषा पटेल यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया को दिए इंटरव्यू मेंकहती हैं-मैं अपने भतीजों, भांजों, चचेरे भाई-बहनों के डायपर बदलती थी। उन्हें खाना खिलाती थी। सुलाती थी। और कहती थी कि मैं पूरी क्रिकेट टीम को जन्म दूंगी। उस समय मेरी मां कहती थीं कि एक बच्चा पैदा करो, फिर देखेंगे, क्योंकि बच्चे पैदा करना और मां बनना बहुत मुश्किल होता है। मुझे बच्चों से बहुत लगाव है और मैं बच्चों से बहुत प्यार करती हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा-लेकिन मैंने हमेशा अनाथ बच्चों के बारे में सोचा है। सोचा है कि उन्हें घर देना कितना खूबसूरत होगा। इसलिए मैंने चुपचाप कुछ बच्चों को गोद लिया और उन्हें पता भी नहीं चलता कि मैंने उन्हें गोद लिया है। मैं साइलेंटली उनकी एजुकेशन का खर्च उठाती हूं। मैं उन्हें बेहतर लाइफ देने के लिए चाहे वो मेडिकल हो या फिर एजुकेशन, हर संभव तरीके से पाल रही हूं। एक बच्चे का आपके साथ बड़ा होना एक बड़ी जिम्मेदारी है। यही वजह है कि मेरे पास कोई पालतू जानवर भी नहीं है। अमीषा पटेल ने बताया कि बच्चों की जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है। आजतक उन्होंने इसलिए किसी पेट को भी नहीं पाला है। इसके आगे वह ये भी कहती हैं कि मेरे बच्चे नहीं है लेकिन मेरे पास बैग हैं। मैं 16 साल की उम्र से बैग्स कलेक्ट कर रही हूं।

ग्रैमी विजेता सिंगर ब्रेट जेम्स का प्लेन क्रैश में निधन, म्यूजिक इंडस्ट्री में पसरा मातम

मनोरंजन जगत से बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मशहूर और ग्रैमी विजेता सिंगर ब्रेट जेम्स का निधन हो गया है। महज 57 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके अचानक निधन की खबर से पूरी इंडस्ट्री सदमे में है। बताया जा रहा है कि उनकी मौत एक दर्दनाक विमान हादसे में हुई, जिसने सभी को हिला कर रख दिया है। 18 सितंबर को ब्रेट जेम्स एक प्राइवेट प्लेन में सवार थे। यह विमान नॉर्थ कैरोलाइना के फ्रैंकलिन इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि प्लेन ने टकराते ही आग पकड़ ली। इस विमान में सिंगर समेत कुल तीन लोग सवार थे और तीनों की मौके पर मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विमान नैशविले के जॉन सी. ट्यून एयरपोर्ट से उड़ा था और फ्रैंकलिन के एक एलीमेंट्री स्कूल के पास खुले मैदान में जाकर गिरा। हादसा दिन में हुआ, लेकिन राहत की बात रही कि स्कूल में मौजूद सभी बच्चे और टीचर्स पूरी तरह सुरक्षित रहे। ब्रेट जेम्स के निधन की खबर से संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। जैसे ही यह खबर बाहर आई, फैंस और साथी कलाकारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। ब्रेट जेम्स न सिर्फ सिंगर बल्कि एक बेहतरीन सॉन्ग राइटर भी थे। उन्होंने अपने करियर में 500 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए, जिनमें से 27 गाने चार्टबस्टर साबित हुए। उनके लिखे गाने काऊ बॉय, जीसस, टेक द व्हील और वेन द सन गोज डाउन आज भी फैंस के बीच पॉपुलर हैं। ब्रेट जेम्स को 2007 में आयोजित 49वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में जीसस टेक द व्हील गाने के लिए बेस्ट कंट्री सॉन्ग का अवॉर्ड मिला था। यही गाना सॉन्ग ऑफ द ईयर कैटेगरी में भी नॉमिनेट हुआ था। इस उपलब्धि ने उन्हें इंटरनेशनल स्तर पर पहचान दिलाई।

आर्चरी प्रीमियर लीग के ब्रांड एंबेसडर बने ग्लोबल स्टार राम चरण, बोले-इस पहल का हिस्सा बनना गर्व की बात

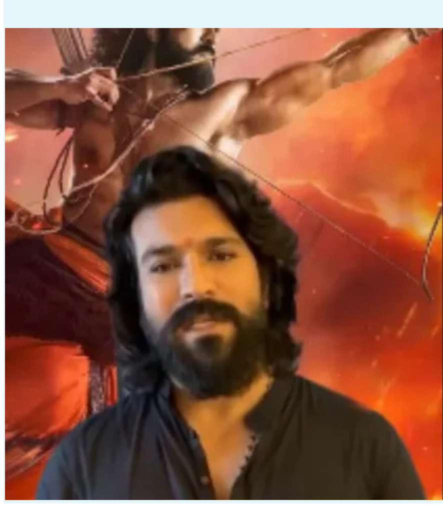

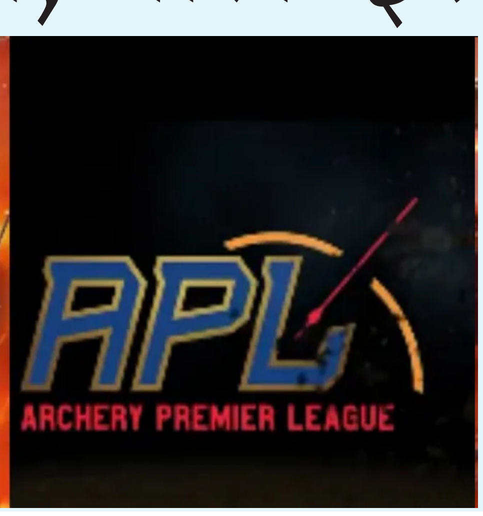

मशहूर एक्टर और ग्लोबल आइकॉन राम चरण ने अपनी अदाकारी के दम पर खूब नाम कमाया है। वहीं, हाल ही में उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने राम चरण को पहली आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। आर्चरी प्रीमियर लीग देश की पहली फ्रेंचाइज-बेस्ड प्रतियोगिता है, जिसमें भारत और दुनिया के बेहतरीन रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज हिस्सा लेंगे। यह लीग 02 से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित होगी। इसमें छह टीमें भाग लेंगी, जिनमें 36 भारतीय और 12 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल होंगे। खास बात यह है कि पहली बार दोनों फॉर्मेट के खिलाड़ी एक साथ फ्लडलाइट्स के नीचे मुकाबला करेंगे। इस लीग के एंबेसडर बनने पर राम चरण ने कहा- आर्चरी अनुशासन, ध्यान और दृढ़ता का खेल है और ये वे मूल्य हैं जिनसे वे गहराई से जुड़े हैं। आर्चरी प्रीमियर लीग भारतीय प्रतिभा को वैश्विक मंच देगी और आने वाली पीढ़ियों के एथलीटों को प्रेरित करेगी। इस पहल का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा कि एपीएल का उद्देश्य भारतीय तीरंदाजों के सपनों को साकार करना और इस खेल को देश में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाना है। राम चरण के जुड़ने से यह मिशन और भी मजबूत होगा। वहीं, एएआई के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि जैसे अन्य खेलों की लीग्स ने परिवर्तन लाया, वैसे ही एपीएल भारतीय आर्चरी को नया रूप देगी। राम चरण की मौजूदगी से लीग की पहचान और भी बढ़ेगी और आर्चरी नए दर्शकों तक पहुँचेगी।

'म्यूचुअल फंड प्रवाह से भारतीय बाजार में बड़ी गिरावट टली', जेफरीज की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार को बड़े पैमाने पर म्यूचुअल फंड निवेशों का सहारा मिल रहा है। यह भारी निकासी के बावजूद बड़ी गिरावट को रोक रहे हैं। जेफरीज की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर म्यूचुअल फंड से लगातार इनफ्लो न होते, तो मार्केट में आपूर्ति की अधिकता से भारी गिरावट आ सकती थी। बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर के निवेश की उम्मीद रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के शेष हिस्से में भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रहेगी क्योंकि म्यूचुअल फंड इनफ्लो लगातार इक्विटी सप्लाई को अवशोषित कर रहे हैं। जेफरीज के भारत कार्यालय का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर की सप्लाई आएगी। पिछले पांच महीनों में 21 अरब डॉलर का इनफ्लो हुई दर्ज वित्त वर्ष की शुरूआत 1 अप्रैल से पिछले पांच महीनों में म्यूचुअल फंड में कुल 21 अरब डॉलर की इनफ्लो दर्ज की गई है। इसमें लगभग तीन अरब डॉलर हर महीने एसआईपी यानी व्यवस्थित निवेश योजना के जरिए आए हैं। एसआईपी से बाजार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच विशेषज्ञों का कहना है कि ये एसाईपी फ्लो, जिसमें निवेशक हर महीने तय राशि निवेश करते हैं, बाजार में सप्लाई को प्रति माह 6 से 10 अरब डॉलर की दर से अवशोषित करते हुए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। हालांकि निकट भविष्य में इक्विटी की आपूर्ति में कमी आने की संभावना नहीं है।

ट्रंप से हार बर्दाश्त नहीं कर पाई थीं कमला हैरिस

अपनी किताब में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कमला हैरिस ने बाइडन के साथ अपनी साझेदारी के बारे में अच्छी बातें लिखीं, लेकिन ऐसे भी पल आए, जब दोनों के बीच चीजें सही नहीं हुईं। जब बाइडन को राष्ट्रपति पद की रेस से हटाने की बात चल रही थी तो कमला हैरिस ने बताया कि उस वक्त जो बाइडन की पत्नी ने उनसे पूछा था कि क्या वे हमारे साथ हैं? इन दिनों कमला हैरिस की लिखी किताब की खूब चर्चा है, जिसमें राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान और कमला हैरिस के निजी जीवन को लेकर कई अहम खुलासे किए गए हैं। कमला हैरिस ने अपनी किताब '107 डेज' में बताया है कि जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें ट्रंप के सामने अपनी हार के बारे में पता चला तो उन्हें इस पर यकीन नहीं हुआ और लगा कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया। कमला हैरिस ने किताब में लिखा है, 'मैं मुश्किल से सांस ले पा रही थी'। हैरिस ने लिखा 'मैं मन ही मन पूछती रही, हे भगवान, हे भगवान, हमारे देश का क्या होगा?' 'जो बाइडन थक गए थे' जो बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव की रेस से हटने के बाद कमला हैरिस ने कमान संभाली और इसी मुद्दे पर यह किताब लिखी गई है। कमला हैरिस ने बताया कि 'उन्हें जो बाइडन की क्षमता पर कोई शक नहीं था, लेकिन 81 साल की उम्र में बाइडन थक गए थे। बाइडन के बोलने में लड़खड़ाहट से यह पता चलता था। जब ट्रंप और बाइडन के बीच बहस हुई और उस बहस में बाइडन जिस तरह से थके हुए लग रहे थे, मैं तभी समझ गई थी कि बाइडन ठीक नहीं थे।' कमला हैरिस ने बाइडन के साथ अपनी साझेदारी के बारे में अच्छी बातें लिखीं, लेकिन ऐसे भी पल आए, जब दोनों के बीच चीजें सही नहीं हुईं। जब बाइडन को राष्ट्रपति पद की रेस से हटाने की बात चल रही थी तो कमला हैरिस ने बताया कि उस वक्त जो बाइडन की पत्नी ने उनसे पूछा था कि क्या वे हमारे साथ हैं? कमला हैरिस ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जब वे 'द व्यू टॉक' शो में शामिल हुईं थी तो वह उनकी गलती थी। कमला हैरिस ने कहा कि इंटरव्यू के दौरान मेजबान ने उनसे सवाल किया कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने बाइडन से अलग क्या करतीं तो हैरिस निशब्द हो गईं और उन्हें कोई जवाब नहीं सूझा। हैरिस ने लिखा कि 'वह पल था, जिससे हमें लगा कि हमने ट्रंप के चुनाव अभियान टीम को हमें घेरने का मौका दे दिया है।' हैरिस ने लिखा कि 'उस इंटरव्यू में मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैंने हथगोले का पिन खींच लिया था।' कमला हैरिस ने ये भी दावा किया कि जो बाइडन से जुड़ाव के चलते उन्हें नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि लोग उस वक्त जो बाइडन से नफरत करते थे। उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर किया खुलासा हैरिस ने बताया कि वे पहले इंडियाना के पूर्व मेयर पीट बटिगिएग को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाना चाहतीं थी, लेकिन बटिगिएग गे थे और वह खतरा मोल नहीं लेना चाहती थीं। बाद में जोश शापिरो के नाम पर चर्चा हुई, लेकिन शापिरो के अनुभव को देखते हुए उन्हें नंबर दो की भूमिका के लिए चुनना सही नहीं लगा। बाद में मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को चुना गया, लेकिन जेडी वेंस के साथ बहस में वाल्ज का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। कमला हैरिस ने बताया कि ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद उन्होंने ट्रंप को फोन किया था।

मानदंडों के उल्लंघन पर 474 और दल सूची से हटाए गए; गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों पर गाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बताया है कि पिछले छह वर्षों में 474 और राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया गया है। चुनाव नहीं लड़ने समेत अन्य नियमों का उल्लंघन करने के कारण यह कार्रवाई की गई है। जानिए क्या है पूरा मामला मानदंडों औ? नियमों का उल्लंघन करने वाले 474

और दलों को सूची से हटा दिया गया है। गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों पर गाज गिरी है। चुनाव आयोग की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया, पिछले छह वर्षों में चुनाव नहीं लड़ने समेत अन्य नियमों का उल्लंघन करने के कारण 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है। 18 सितंबर को 474 दलों को हटाया गया इस प्रक्रिया के पहले चरण में, चुनाव आयोग ने विगत 9 अगस्त को 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया था। आज दूसरे चरण में, निर्वाचन आयोग ने लगातार छह वर्षों तक किसी भी चुनाव में भाग न लेने के आधार पर, 18 सितंबर को 474 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया गया है।

तालिबान ने सात महीने बाद छोड़ा ब्रिटिश दंपती

कतर की मध्यस्थता से रिहाई संभव

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान ने शुक्रवार को एक ब्रिटिश दंपति को रिहा कर दिया, जिन्हें बीते सात महीने से अज्ञात आरोपों में हिरासत में रखा गया था। यह कदम तालिबान के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके जरिए वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सरकार को मान्यता दिलाने की कोशिश कर रहा है। रिहा किए गए दंपति के नाम पीटर रेनॉल्ड्स और बार्बी रेनॉल्ड्स हैं। यह दंपति पिछले 18 वर्षों से अफगानिस्तान के बामियान प्रांत में रह रहा था और वहां शिक्षा व प्रशिक्षण से जुड़ा संगठन चला रहा था। 2021 में जब तालिबान ने अमेरिका समर्थित अफगान सरकार को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ली थी, तब भी उन्होंने

देश छोड़ने के बजाय वहीं रहने का फैसला किया था। कतर, जो अमेरिका और तालिबान के बीच हुई शांति वाताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है, ने इस बार भी दंपति की रिहाई में मध्यस्थता की। कतर के एक राजनयिक ने बताया कि शुक्रवार को यह दंपति अफगानिस्तान से रवाना हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि मामला संवेदनशील होने के कारण उनकी पहचान गुप्त रखी जा रही है। परिवार का आरोप और तालिबान का जवाब रेनॉल्ड्स दंपति के ब्रिटेन में मौजूद परिवार ने लगातार उनकी रिहाई की मांग की थी। परिवार का आरोप था कि उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा जा रहा है और उन पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया गया है। तालिबान ने इन आरोपों को खारिज किया, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं किया कि दंपति को किस कारण गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि दंपति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है और अगर जल्द रिहाई नहीं हुई तो उनकी मौत तक हो सकती है। इस चेतावनी के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया था। तालिबान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव 2021 में सत्ता में आने के बाद से तालिबान पर महिलाओं के अधिकार, मानवाधिकार उल्लंघन और मनमानी गिरफ्तारियों को लेकर लगातार आलोचना होती रही है। पश्चिमी देशों का मानना है कि ऐसे मामले तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने में बड़ी बाधा बनते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रेनॉल्ड्स दंपति की रिहाई तालिबान का एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास हो सकता है, ताकि दुनिया के साथ उसके रिश्ते सुधर सकें।

मीरवाइज की अवामी एक्शन कमेटी सहित दो संगठनों पर जारी रहेगा प्रतिबंध, दो न्यायाधिकरणों ने दिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के दो अधिकरणों ने मीरवाइज उमर फारूक और मसरूर अब्बास अंसारी के संगठनों पर लगे प्रतिबंध को बरकरार रखा है। अदालत ने पेश किए गए सबूतों के आधार पर दोनों संगठनों को यूएपीए के तहत गैरकानूनी घोषित करने के केंद्र सरकार के फैसले को उचित माना। गृह मंत्रालय के मुताबिक, ये संगठन देशविरोधी गतिविधियों और आतंकी फंडिंग में शामिल रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के दो अलग-अलग अधिकरणों (ट्रिब्यूनल) ने केंद्र सरकार की ओर जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा है। इन दोनों अधिकरणों की अध्यक्षता एक ही जज जस्टिस सचिन दत्ता ने की। उन्होंने कहा कि उनके सामने पेश किए गए दस्तावेजों और सबूतों से स्पष्ट है कि इन दोनों संगठनों को यूएपीए, 1968 के तहत गैरकानूनी घोषित करने का पूरा आधार मौजूद है। अधिकरणों ने अपने आदेश में क्या कहा? दोनों अधिकरणों

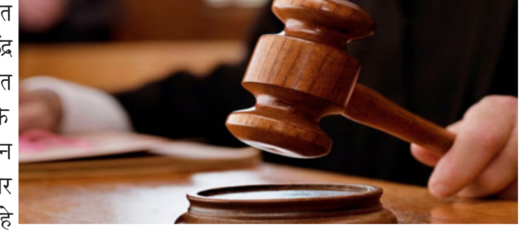

ने समान आदेश में कहा, इस अधिकरण ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और उसके नियमों के तहत तय प्रक्रिया का पालन करते हुए सामने रखे गए दस्तावेजों और सूबतों का स्वतंत्र व निष्पक्ष मूल्यांकन किया है और यह स्पष्ट रूप से माना है कि इन संगठनों को यूएपीए की धारा 3 (1) के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित करने का पर्याप्त कारण है। गृह मंत्रालय ने संगठनों को बताया था देश के लिए खतरा केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 11 मार्च को कश्मीर के अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक के संगठन 'अवामी एक्शन कमेटी' (एएसी) और शिया नेता मसरूर अब्बास अंसारी के संगठन 'जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन' (जेकेआईएम) को प्रतिबंधित कियाथा। उस समय मंत्रालय ने कहाथा कि एएसी और जेकेआईएम ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं, जो देश की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ब्रिटिश खुफिया प्रमुख का यूक्रेन युद्ध को लेकर दावा- पुतिन शांति वार्ता के इच्छुक नहीं, बहका रहे हैं

इस्तांबुल (एजेंसी)। ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन को लेकर शांति वार्ता करना चाहते हैं। ब्रिटेन की गुप्तचर एजेंसी एमआई6 के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में

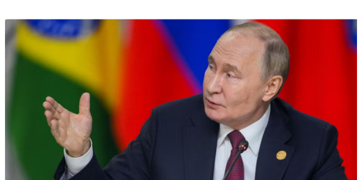

शांति स्थापित करने के लिए बातचीत करना चाहते हैं, ऐसा कोई सबूत उन्हें नहीं मिला है। सर रिचर्ड मूर पिछले पांच वर्षों से एमआई6 के प्रमुख हैं और सितंबर के अंत में वह अपना पद छोड़ रहे हैं। इस्तांबुल स्थित ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास में 'सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस' के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने अपने विदाई भाषण के दौरान कहा, इस बात का बिल्कुल भी कोई प्रमाण नहीं है कि पुतिन शांति वार्ता करना चाहते हैं। वे हमें सिर्फ बहका रहे हैं। 'सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस' के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने कहा कि पुतिन हमें अपने जाल में फंसा रहे हैं। वह अपनी शाही इच्छा को हरसंभव तरीके से थोपना चाहते हैं। लेकिन वह इसमें कामयाब नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से कहें तो पुतिन ने अपनी क्षमता से ज्यादा का बोझ उठा लिया है। उन्हें लगा कि उन्हें आसान जीत मिल जाएगी। लेकिन उन्होंने और कई अन्य लोगों ने यूक्रेनियों को कम करके आंका। 'यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि रूस की जीत तय है' मूर ने कहा कि इस आक्रमण ने यूक्रेन की राष्ट्रीय पहचान को मजबूत हुई है और इसके पश्चिम की ओर बढ़ने की गति को तेज किया है साथ ही स्वीडन और फिनलैंड को नाटो में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है।

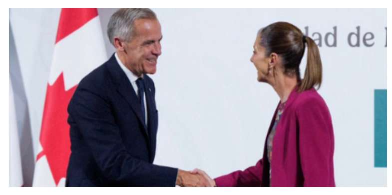

मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अनिश्चितता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनी। कनाडा-मैक्सिको के सहयोग से मजबूत हुआ अमेरिकाः कार्नी बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सबसे प्रतिस्पर्धी आर्थिक क्षेत्र माना जाता है और इसका एक बड़ा कारण कनाडा और मैक्सिको के बीच सहयोग है। हम अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे वह और भी मजबूत बनता है। हस सभी मिलकर और भी मजबूत बनते हैं। कार्नी और शीनबाम की बैठक का मुख्य विषय 'अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता' यानी यूएसएमसीए था, जिसकी 2026 में समीक्षा होनी है। स्थिर विकल्पों की तलाश में कनाडा-मैक्सिको यह एफटीए तीनों देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है। इससे तीनों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। कनाडा का 75 फीसदी से अधिक निर्यात और मैक्सिको का 80 फीसदी से अधिक निर्यात अमेरिका को ही जाता है। ट्रंप की लगातार बदलती व्यापार नीति और टैरिफ की धमकियों ने इन देशों के नेताओं और व्यापार जगत चिंतित कर दिया है, जिससे वे अब व्यापार के लिए अधिक स्थिर विकल्पों की तलाश में है। कार्नी के मैक्सिको दौरे पर हावी ट्रंप की छवि टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ट्रंप की गैरमौजूदगी के बावजूद उनकी छवि इस दौरे पर हावी है। कनाडा और मैक्सिको अब अमेरिका से एक समान खतरा महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को कार्नी ने कहा कि वह कनाडा और मैक्सिको के बीच और अधिक व्यापार और निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। शीनबाम ने कहा कि दोनों देशों ने एक ऐसी योजना पर सहमति बनाई है, जो उनकी आपसी आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगी। शीनबाम ने यह भी कहा कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करेंगे, ताकि उनका माल अमेरिका से होकर न गुजरे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना भी कार्नी के दौरे का मकसद कार्नी के दौरे का मकसद मैक्सिको के साथ संबंध बेहतर करना भी था। दरअसल, कनाडा के कुछ प्रांती नेताओं ने पिछले साल कहा था कि अगर अमेरिका से नया व्यापार समझौता होता है, तो उसमें मैक्सिको को शामिल न किया जाए।

जैश के बाद अब लश्कर के आतंकी ने खोली पाकिस्तान की पोल, ऑपरेशन सिंदूर में हुई तबाही को कबूला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जैश के बाद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर कासिम ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। लश्कर कमांडर कासिम ने माना कि सात मई सुबह किए गए हमले में मुरिदके स्थित लश्कर मरकज को तबाह कर दिया गया था। उसने यह भी कहा कि इस आतंकी शिविर का पुनर्निर्माण हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई में हुए नुकसान को नकारता रहा है। कासिम ने कैमरे के सामने खड़े होकर इस सच को कबूल किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लश्कर कमांडर कासिम कहता नजर आ रहा है कि मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो भारतीय हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनाई जाएगी। आतंकी ने दिखाए तबाही के निशान वायरल हो रहे वीडियो में कासिम एक निमार्णाधीन जगह के पास खड़ा दिखाई दे रहा है। जिसमें वह कह रहा है, मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। कासिम आगे यह भी कबूल करता है कि इस मस्जिद में कई मुजाहिदीन और तलबाने प्रशिक्षण हासिल किया और विजय हासिल की। मुरिदके, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले में स्थित एक शहर है। वीडियो में कासिम एक अधूरे निर्माण स्थल के सामने खड़ा दिख रहा है और कहता दिख रहा है, मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं जिसे (भारत के) हमले में नष्ट कर दिया गया था। अब इसका फिर से निर्माण हो रहा है। अल्लाह की रहमत से यह मस्जिद पहले से बड़ी बनेगी। कासिम ने यह भी कबूला कि इस नष्ट की गई मरकज तैयबा मस्जिद में कई आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था, जिनमें मुजाहिद और तलबा (छात्र) शामिल थे और वे यहां से फतह (जीत) के लिए निकले। खुल गई पाकिस्तान सरकार की पोल पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया था कि जिस इमारत को नष्ट किया गया, वह अब आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होती थी। एक और वीडियो में लश्कर के इस आतंकी ने पाकिस्तान के युवाओं से अपील की कि वे मुरिदके में मरकज तैयबा में होने वाले 'दौरा-ए-सुफ्फा' नाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हों।

सऊदी संग रक्षा समझौते के बाद पाकिस्तान का बड़बोलापन

मंत्री बोले- नाटो जैसी डील के लिए दरवाजे खुले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच आपसी रक्षा समझौते में अन्य अरब देशों के शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की बातचीत के लिए दरवाजे बंद नहीं हैं। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक ₹रणनीतिक पारस्परिक रक्षा₹ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अनुसार किसी भी देश पर किया गया हमला 'दोनों के विरुद्ध आक्रमण' माना जाएगा। एक संयुक्त बयान के अनुसार, इस समझौते पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तानी नेता की खाड़ी साम्राज्य की एक दिवसीय यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए। यह समझौता कतर में हमास नेतृत्व पर इस्राइल के हमले के कुछ दिनों बाद हुआ है। यह खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है। इस सवाल के जवाब में कि क्या और अरब देश इस समझौते का हिस्सा बन सकते हैं, आसिफ ने कहा, ₹मैं इसका उत्तर समय से पहले नहीं दे सकता, लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि दरवाजे बंद नहीं हुए हैं।₹ मंगलवार को जियो न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा कि उन्होंने हमेशा नाटो जैसी व्यवस्था की मांग की है। आसिफ ने कहा, ₹मुझे लगता है कि यहां के देशों और लोगों, विशेषकर मुस्लिम आबादी का यह

मौलिक अधिकार है कि वे अपने क्षेत्र, देशों और राष्ट्रों की रक्षा एक साथ मिलकर करें।₹ उन्होंने कहा कि इस समझौते में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो किसी अन्य देश के प्रवेश को रोकता हो या पाकिस्तान किसी अन्य के साथ ऐसा समझौता नहीं कर सकता हो। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान की परमाणु परिसंपत्तियां भी इस समझौते के तहत उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, आसिफ ने कहा, ₹हमारे पास जो भी है, हमारी क्षमताएं हैं, वे निश्चित रूप से इस समझौते के तहत उपलब्ध होंगी।₹ आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा अपने परमाणु प्रतिष्ठानों को निरीक्षण के लिए पेश किया है और कभी कोई उल्लंघन नहीं किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या एक देश पर हमले से दूसरे देश की संलिप्तता हो सकती है या फिर दूसरे देश पर हमले से दूसरे देश की संलिप्तता हो सकती है, मंत्री ने कहाः 'हां, बिल्कुल। इसमें कोई संदेह नहीं है।' आसिफ ने आगे कहा कि यह कोई 'आक्रामक समझौता' नहीं बल्कि नाटो के समान एक रक्षात्मक व्यवस्था है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।